दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

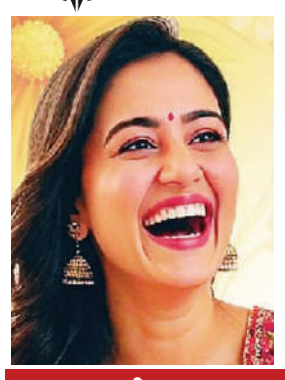

अमन लेखनी

हंसो हंसाओ बने रहो जीवंत.....

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए .....

वर्ष : 12 | अंक : 127 | लखनऊ, 29 अप्रैल, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

सरकार ने युवाओं को दिया पारदर्शी अवसर

चयनित महिला अभ्यर्थियों ने कहा, यूपी में बेटियों की सुरक्षा चाक-चौबंद

अमन लेखनी समाचार

भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने का काम किया योगी सरकार ने

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 936 प्रधान परिचालक एवं प्रधान परिचालक (यांत्रिक) अभ्यर्थियों चेहरे नियुक्ति पत्र पाकर खुशी से खिल उठे। अधिसंख्य अभ्यर्थियों ने इसे अपने परिवार में पहली सरकारी नौकरी बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार जताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूरसंचार पुलिस बल में नवचयनित 936 अभ्यर्थियों से कहा कि अब संचार यूनिट को और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। अगले 8 महीने की आपकी ट्रेनिंग महत्वपूर्ण होगी। सीएम ने युवाओं व पुलिस कार्मिकों को फिट रहने का मंत्र दिया। कहा कि फिजिकली फिट रहेंगे तो मेंटली भी फिट होंगे और तभी ईमानदारी से देश व समाज को सेवा दे पाएंगे।

चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि योगी सरकार ने प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है, जिससे मेहनत करने वाले युवाओं को अवसर मिल रहा है। प्रयागराज की महिमा यादव ने कहा कि वर्ष 2006 के बाद इतने बड़े स्तर पर सीधी भर्ती होना युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। पूरी प्रक्रिया बेहद सुचिता और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। एटा के कुशाल चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके लिए गर्व का क्षण है। योगी आदित्यनाथ ने जमीनी स्तर पर काम करते हुए गुंडों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जिससे प्रदेश भयमुक्त बना है। उन्होंने मुख्यमंत्री को तेजतर्रार, तुरंत निर्णय लेने वाला और भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने वाला नेता बताया। प्रयागराज के सौरभ मिश्रा ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में योगी सरकार ने माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया है।

पुलिस बल की संख्या और संसाधनों में वृद्धि कर अपराधियों पर अंकुश लगाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री की निर्भीक कार्यशैली युवाओं को प्रेरित करती है। प्रयागराज की अदिति राठौर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रदेश में बड़ा बदलाव आया है। आज महिलाएं खुद को पहले से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। मुख्यमंत्री के फास्ट रिएक्शन और तत्काल कार्रवाई की नीति से कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। गोरखपुर की शालू गुप्ता और अयोध्या की सपना पांडेय ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

वहीं अभिषेक कुमार ने कहा कि योगी सरकार में पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां हो रही हैं, इसी वजह से उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में सेवा का अवसर मिला है। अलीगढ़ के अरविंद ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाकर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि मेहनत करते रहें, सरकार लगातार रोजगार के अवसर दे रही है। झांसी के विशाल कुमार शर्मा ने कहा कि नियुक्ति पत्र मिलना जीवन का यादगार दिन है और अब सभी प्रशिक्षण लेकर सेवा के लिए तैयार होंगे। वहीं हेवल कुमार रत्नागर ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। एटा के रामहरि ने कहा कि रेडियो एवं दूरसंचार विभाग में चयन उनके परिवार के लिए खुशी का बड़ा अवसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि योगी सरकार में प्रतिभा और मेहनत को सम्मान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर हुए गौरवान्वित : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर नवचयनित युवा गौरवान्वित हुए। सीएम योगी ने मंच पर पूजा गुप्ता (मऊ), वैशाली (लखनऊ), शालिनी आनंद (झांसी), अमन त्यागी (मेरठ), भूपेंद्र सिंह वर्मा (बाराबंकी), अंकित कुशवाहा (बांदा), शुभम चौरसिया (प्रतापगढ़), श्याम सुंदर (सोनभद्र), मोनू पासवान (गोरखपुर), मनीष गौड़ (महराजगंज) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

प्रदेश के 39 ऐतिहासिक स्थल संरक्षण सूची में शामिल

सरकार का बड़ा कदम, विरासत संरक्षण के साथ पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए 41 चिन्हित स्थलों में से 39 को संरक्षण की मंजूरी दे दी है। यह फैसला राज्य पुरातत्व सलाहकार समिति की उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने की। मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 278 स्मारक संरक्षित हैं और वर्ष 2027 तक इनकी संख्या बढ़ाकर 300 करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

स्वीकृत 39 स्थलों के संरक्षण से इस लक्ष्य को हासिल करने में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक धरोहरों को बचाना ही नहीं, बल्कि उन्हें पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ सकें।

चिन्हित स्थलों में प्राचीन मंदिर, ऐतिहासिक इमारतें और पुरातात्विक टीले शामिल हैं, जिनमें कुछ स्थल लगभग 2500 वर्ष पुराने बताए जा रहे हैं। इसके अलावा कई स्थल 3000 वर्ष पुराने भी हैं, जिन्हें संरक्षित करने की योजना है। सरकार कुषाण काल से जुड़े स्थलों को जोड़कर कुषाण ट्रेल विकसित करने की योजना पर भी काम कर रही है, जिससे प्रदेश में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। साथ ही चयनित स्थलों पर पुस्तकालय और बुनियादी सुविधाएं विकसित कर पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने की रणनीति भी तैयार की जा रही है। पर्यटन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि समन्वय के साथ कार्य करें ताकि हमारी सभ्यता की अनमोल धरोहर को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके। जयवीर सिंह ने कहा कि 3000 वर्ष पुराने टीले और प्राचीन मंदिर संरक्षित किये जायेंगे। चिन्हित किये गये 41 स्थलो में प्राचीन मंदिर, टीले, ऐतिहासिक इमारतें और पुरातात्विक टीले शामिल हैं। इनमें से कुछ स्थल उत्तरी कृष्ण मार्जित मृदभांड काल के हैं। जो लगभग 2500 वर्ष पुराने हैं। संरक्षित स्थलों में राजधानी के प्राचीन भवन, मूसा बाग, कानपुर नगर के पंचमुखी मंदिर, हरदोई का नागेश्वर मंदिर, उन्नाव का महेपासी टीला, झांसी का गोंडवानी मंदिर, रामपुर का तूती का मकबरा, वाराणसी का शिव मंदिर, महोबा का बासुदेव मंदिर आदि शामिल हैं। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य ने कहा कि विरासत स्थलों का संरक्षण करके इन्हें भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित रखना जरूरी है। ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली इतिहास तथा सांस्कृतिक धरोहरों को देख सके। उन्होंने सुझाव दिये कि चिन्हित स्थलों में से कई कुषाण काल से संबंधित हैं। जिन्हें जोड़कर एक कुषाण काल टेज्ल विकसित की जा सकती है। इसके अतिरिक्त पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चयनित स्थलों में पुस्तकालय एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं सृजित करने पर रणनीति बनाई जा सकती है।

खबर संक्षेप

आईआईटी खड़गपुर में फिर स्टूडेंट ने की खुदकुशी

खड़गपुर। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आईआईटी खड़गपुर में एक और छात्र ने आत्महत्या कर ली है। पश्चिम बंगाल के खड़गपुर स्थित इस मशहूर शिक्षण केंद्र में 10 दिनों के अंदर यह इस तरह की दूसरी घटना है। इसी महीने एक और छात्र ने खुदकुशी कर ली थी। कुछ समय से छात्रों के अपनी जान लेने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे संस्थान पर सवालिया निशान उठने लगे हैं।

केरल में नई बीमारी दिमाग में सूजन बढ़ा रही

तिरुवनंतपुरम। केरल इन दिनों फिर से एक संक्रामक बीमारी की चपेट में है।यहां ब्रेन ईटिंग अमीबा, निपाह, अफ्रीकी स्वाइन फीवर और हेपेटाइटिस-ए संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े थे। यहां एक नई बीमारी को लेकर लोगों को सतर्क किया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कई हिस्सों में वेस्ट नाइल फीवर को लेकर लोगों को सावधान किया है। सरकार ने इससे लोगों को सचेत किया है।

चिकन नहीं तो हंगामा... पत्नी ने की पति की हत्या

कामारेड्डी। तेलंगाना के कामारेड्डी से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मामूली घरेलू विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया कबाड़ी विक्रेता कोडानंदम शिवाजी की कथित तौर पर उसकी पत्नी लक्ष्मी ने सिर्फ इसलिए हंसिए से हत्या कर दी

सिक्किम के 50वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में बोले प्रधानमंत्री मोदी

पूर्वोत्तर को बताया देश की 'अष्टलक्ष्मी' 4,000 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात दी

एक्स पर 3 पोस्ट कर उत्साह और स्नेह को अभूतपूर्व बताया

- पूर्वोत्तर विकास पर केंद्र का फोकस
- प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ संवाद भी किया

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम के 50वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया और करीब 4,000 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत देश की 'अष्टलक्ष्मी' है और सिक्किम उसका अहम हिस्सा है।

पीएम मोदी ने एक्स पर 3 पोस्ट साझा किए। पहली पोस्ट में उन्होंने गंगटोक में मिले उत्साह और स्नेह को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने सिक्किमवासियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विकास में राज्य के योगदान पर देश को गर्व है। दूसरी पोस्ट में समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और सिक्किम की उपलब्धियों की सराहना की। वे पालजोर स्टेडियम में स्वर्ण जयंती समारोह के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे क्षेत्रों में फैली परियोजनाओं का उद्घाटन, शुभारंभ और आधारशिला रखी।

गंगटोक के उत्साह ने दी नई ऊर्जा

ऑर्किडेरियम की सुंदरता से हुए मंत्रमुग्ध

तीसरी पोस्ट में उन्होंने ऑर्किडेरियम गंगटोक के दौरे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां की सुंदरता ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया और सिक्किम की समृद्ध जैव विविधता अद्भुत है, जो प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य और सतत जीवनशैली का संदेश देती है। पालजोर स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सरकार एक्ट ईस्ट से आगे बढ़कर एक्ट फास्ट के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है।

कनेक्टिविटी से बढ़ेगा पर्यटन

प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन की संभावनाओं का पूरा लाभ मजबूत कनेक्टिविटी से ही मिल सकता है। केंद्र सरकार क्षेत्र में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को तेजी से विकसित कर रही है।

रेलऔर एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर दिया जोर

पीएम मोदी ने बताया कि सेवोक-रंगपो रेल लाइन परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है, जिसके पूरा होने पर सिक्किम को पहली बार रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही बागडोगरा को गंगटोक से जोड़ने वाले प्रस्तावित एक्सप्रेसवे का भी जिक्र किया, जिससे यात्रा समय में कमी आएगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

महिलाओं को आरक्षण का हक जरूर मिलेगा, आज देंगे सौगातें

पीएम मोदी पहुंचे काशी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2 दिनी दौरे पर वाराणसी पहुंचे। बरेका में जनसभा स्थल में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत लगभग 50 हजार महिलाओं को संबोधित किया और कहा कि आपको आरक्षण का हक जरूर मिलेगा।

6300 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे: प्रधानमंत्री करीब 6300 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें सिग्नेचर ब्रिज सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

इंफाल में एमएनसीए इंडोर क्रिकेट एकेडमी का वर्चुअल उद्घाटन किया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा फंड की गई एमएनसीए इंडोर क्रिकेट एकेडमी का वर्चुअल उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री ने इंफाल के लुवांगसांगबाम स्थित लुवांगपोकपा क्रिकेट स्टेडियम में किया। यह उद्घाटन पूर्वोत्तर राज्यों के क्रिकेट संघों के लिए इंडोर क्रिकेट एकेडमी शुरू करने की पहल के तहत किया गया। मणिपुर क्रिकेट एसोसिएशनके सचिव लैरेनजम गीतरंजन सिंह ने इस उद्घाटन को मणिपुर क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया और बीसीसीआई सचिव के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान इस प्रोजेक्ट को समर्थन देने के लिए मौजूदा आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का आभार व्यक्त किया।

यहां अब लड़कों और लड़कियों का प्रदर्शन और बेहतर होगा

उन्होंने बताया कि यह एकेडमी विश्व-स्तरीय सुविधाओं से लैस है, जिसमें 3 इंडोर पिच, एक जिम, एक प्रशासनिक कार्यालय और एक हीटेड स्विमिंग पूल शामिल है। बीसीसीआई 2 वर्षों तक इस एकेडमी के रखरखाव और संचालन का खर्च वहन करेगा। यह इंडोर एकेडमी मणिपुर के खिलाड़ियों के लिए, विशेष रूप से बारिश के मौसम में, बेहद मददगार साबित होगी। उन्होंने बताया कि 2025 के सीजन में मणिपुर ने बीसीसीआई के पाच घरेलू टूर्नामेंटों के फाइनल में जगह बनाई और अंडर-19 वर्ग में दो खिताब अपने नाम किए। मणिपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ी स्थानीय हैं, जिन्हें एसोसिएशन ने पिछले कई वर्षों में तैयार किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नई इंडोर एकेडमी आने वाले वर्षों में क्रिकेट के क्षेत्र में मणिपुर के लड़कों और लड़कियों के प्रदर्शन को और भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

यहां पर 2 किमी लंबी सांस्कृतिक सड़क यात्रा का आयोजन किया

प्रधानमंत्री ने दो किलोमीटर लंबी सांस्कृतिक सड़क यात्रा का आयोजन किया। जिसमें उत्साहित निवासियों ने तिरंगा लहराते हुए और पारंपरिक पोशाक पहने हुए उनका स्वागत करने के लिए सड़कों के दोनों किनारों पर कतारें लगा दीं। सोमवार को इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पद्म पुरस्कार विजेताओं और विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ ज्ञानवर्धक बातचीत की।

गुजरात नगर निगम चुनाव

भाजपा की ऐतिहासिक जीत, सभी 15 निगमों पर जमा लिया कब्जा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत हासिल कर ली है। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, सत्तारूढ़ दल भाजपा ने नगर निगमों में कुल सीटों के आधे से अधिक पर जीत दर्ज की है। मोरबी नगर निगम में भाजपा ने सभी 52 सीटों पर कब्जा किया है। रविवार 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था।

जिला और तालुका पंचायतों में बनाई बढ़त

भाजपा ग्रामीण स्थानीय निकायों में 1,090 सीटों वाली 34 जिला पंचायतों में पार्टी ने 568 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 77 और अन्य को 30 सीटें मिलीं। 5,234 सीटों वाली 260 तालुका पंचायतों में भाजपा ने 2,397 सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने 591 सीटें जीतीं, जबकि अन्य को 329 सीटें मिलीं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। आप 4 सीटों पर सिमट गई है।

मीरा रोड चाकू कांड पर भड़के फणडवीस

आईएसआईएस के निशाने पर हिंदू? जिहाद के नाम पर किए जा रहे हमले

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र के मीरा रोड इलाके मेंचाकू से हमले के मामले में अब जांच ने गंभीर और बड़ा मोड़ ले लिया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह मामला अकेले किए गए हमले जैसा लगता है और आरोपी के घर से कुछ संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्री मिली है। आरोपी के व्यवहार और मिले सबूतों से ऐसा संकेत मिलता है कि वह खुद को कट्टर विचारों से प्रभावित कर चुका था। आरोपी की सोच जिहाद के नाम पर हिंदू धर्म को निशाना बनाने की ओर झुकी हुई थी।

पहलगाम जैसा मामला... पहले पूछा धर्म, फिर कलमा न पढ़ने पर चाकू मारा

मीरा रोड में चाकू कांड सिर्फआपराधिक वारदात नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक चिंता का कारण भी बनती हुई नजर आ रही है। सोमवार तड़के दो सुरक्षा गार्डों पर हुए चाकू से तबड़तोड़ हमले ने पूरे इलाके को दहला दिया। ऐसे में अब इस दावा किया जा रहा है कि हमलावर ने पहले दोनों सुरक्षाकर्मियों से पहलगाम आतंकी हमले की तरह उनका धर्म पूछा और कलमा पढ़ने का दबाव बनाया। न पढ़ने पर ताबड़तोड़ हमले किए।

मौरावां मोड़ की बैरिकेडिंग बनी जनता के लिए मुसीबत

कस्बे में जाम से बेहाल जनता व्यापारियों का फूटा गुस्सा, रोजी-रोटी पर संकट

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कस्बे के मौरावां मोड़ पर पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेडिंग अब गंभीर विवाद का कारण बन गई लंबे समय से सड़क के बीचों-बीच रखे गए डिवाइडर और बैरिकेडिंग के चलते क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति बनी हुई जिससे आम जनता राहगीरों और खासकर स्थानीय व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा कस्बा के लोगों का कहना कि यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग जहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता बावजूद इसके पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया हालात यह कि लोगों को रोजाना घंटों जाम में फंसना पड़ता जिससे समय और ईंधन दोनों की बबार्दी हो रही मोहनलालगंज कस्बे के व्यापारियों ने इस व्यवस्था के खिलाफ कड़ा विरोध जताया व्यापारियों का कहना कि उन्होंने कई बार पुलिस और प्रशासन से बैरिकेडिंग हटाने की मांग की लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।व्यापारियों के अनुसार सड़क के बीच रखे गए डिवाइडर के कारण ग्राहक सीधे दुकानों तक नहीं पहुंच पाते अधिकांश ग्राहक लंबा चक्कर लगाने से बचने के लिए बाजार में आए बिना ही वापस लौट जाते जिससे उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा व्यापारी उत्तम सिंह ने बताया पहले ग्राहक सीधे दुकान तक आ जाते लेकिन अब बैरिकेडिंग के कारण उन्हें काफी दूर से घूमकर आना पड़ता जिससे ज्यादातर लोग वापस चले जाते इससे हमारी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया इस मुद्दे को लेकर अब विरोध और तेज हो गया भारतीय किसान क्रान्ति यूनियन ने स्थानीय व्यापारियों के साथ मिलकर बैरिकेडिंग हटाने की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया संगठन का आरोप है कि यह व्यवस्था जनहित में नहीं बल्कि इससे आम जनता और व्यापारियों को नुकसान हो रहा यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट ऋषि मिश्रा ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा उन्होंने कहा कि यह केवल व्यापारियों का नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता का मुद्दा मौरावां मोड़ की बैरिकेडिंग और जाम की समस्या सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने वीडियो और पोस्ट के माध्यम से अपनी नाराजगी जाहिर की जिसके बाद मामला और अधिक तूल पकड़ता जा रहा बढ़ते विरोध और जनदबाव को देखते हुए प्रशासन अब सक्रिय नजर आ रहा है। एडीसीपी वसंत कुमार रालापल्ली ने मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि प्रशासन पूरी तरह से जनता और व्यापारियों के साथ उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही संबंधित अधिकारियों व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें सभी पक्षों की बात सुनकर स्थायी समाधान निकाला जाएगा एडीसीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और ऐसा समाधान खोजा जाएगा जिससे सुरक्षा और सुगमता दोनों सुनिश्चित हो सकें। फिलहाल क्षेत्र के लोगों और व्यापारियों की निगाहें प्रशासन की आगामी बैठक पर टिकी सभी को उम्मीद कि इस समस्या का जल्द समाधान निकलेगा और मौरावां मोड़ पर यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकेगी जिससे जाम और व्यापार दोनों की समस्या खत्म हो सके।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

अमन लेखनी समाचार

घायल युवक अस्पताल में भर्ती

लखनऊ। साप्ताहिक बाजार सब्जी खरीदने जा रहे बाइक सवारो को कार ने मारी टक्कर बाइक सवार युवक घायल पीछे बैठा साथी बाल बाल बचा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया।

मलिहाबाद थाना क्षेत्र के महमूदनगर निवासी आयुष (18) उसी गांव निवासी साथी अजीत के साथ बाइक से घोला गांव के पास साप्ताहिक लगने वाली बाजार सब्जी खरीदने जा रहा था तभी हीरा नर्सरी मोहान रोड पर मोहान की ओर से आ रही तेज रफ्तार वेगनर कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक आयुष का पैर टूट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि घायल को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

उप्र को-ऑपरेटिव संघ के चुनाव में भाजपा ने हासिल की ऐतिहासिक विजय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को- ऑपरेटिव संघ के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक विजय हासिल की है। संघ के सभापति, उपसभापति सहित सभी संचालक पदों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने निर्विरोध विजय प्राप्त की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने नव निर्वाचित सभापति चौधरी शिवेन्द्र सिंह एवं उपसभापति ब्रज किशोर गुप्ता सहित सभी संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को-ऑपरेटिव संघ विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने निर्विरोध निर्वाचित संचालकों रामनिवास यादव, बालेन्द्र प्रताप सिंह, धनंजय कुमार सिंह, शिवदत्त नारायण सिंह, अभय सिंह, हरिओम मिश्रा, सुरेश गंगवार, जयवीर सिंह सिरोही, दिवाकर मिश्रा, शारदा चौधरी, आकांक्षा सोनकर एवं ऊर्षा मौर्या को भी विजय की बधाई दी है।

एसीपी कृष्णानगर ने यातायात समस्याओं के समाधान के लिए मौके का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा कस्बे में लगने वाले साप्ताहिक बाजार के चलते उत्पन्न हो रही यातायात समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर ने मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक बंथरा राणा राजेश सिंह के अलावा बंथरा थाने के अन्य पुलिस कर्मी एवं ट्रैफिक पुलिस भी मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान बाजार क्षेत्र और आसपास की सड़कों का जायजा लेते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सड़क पर बने अनधिकृत एवं खुले कटों को बंद कराने का निर्णय लिया, जिससे दुर्घटनाओं और जाम की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके। इसके साथ ही साप्ताहिक बाजार के दिन अतिरिक्त पुलिस और ट्रैफिक बल की तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई। स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों से भी यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई। अधिकारियों का कहना है कि इन व्यवस्थाओं के लागू होने से बाजार के दौरान लगने वाले जाम और अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा। इससे आमजन को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

सरोजनीनगर बना जनसेवा और जनविश्वास का मॉडलः डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में नई पहचान

सेवा, सहभागिता और सशक्तिकरण की मिसाल—सरोजनीनगर में जनआंदोलन का सफल मॉडल स्थापित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।सरोजनीनगर अब केवल एक विधानसभा नहीं रहा—यह एक ऐसा परिवार बन चुका है, जहाँ हर चेहरे की चिंता, हर घर की गरिमा और हर जीवन की उम्मीद, विकास का हिस्सा है। यहाँ विकास ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि रिश्तों, संवेदनाओं और भरोसे से मापा जा रहा है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में जनसेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक सतत भाव बन चुकी है। तारा शक्ति रसोई में हर दिन सिर्फ भोजन नहीं परोसा जाता—वहाँ सम्मान परोसा जाता है, आत्मीयता परोसी जाती है। जब लोकबंधु अस्पताल के बाहर कोई जरूरतमंद थाली लेकर बैठता है, तो उसे केवल खाना नहीं मिलता, बल्कि यह एहसास मिलता है कि वह अकेला नहीं है। प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों तक पहुँचती यह सेवा, भूख के साथ-साथ निराशा को भी दूर कर रही है। तारा शक्ति केंद्रों में सुई-धागे से केवल बैग या झंडे नहीं बनते—यहाँ आत्मविश्वास बुना जाता है। जब कोई महिला अपने हाथों से तिरंगा तैयार करती है, तो उसके साथ उसकी पहचान, उसका सम्मान और उसका आत्मनिर्भर भविष्य भी आकार लेता है। 30,000 से अधिक पर्यावरण मित्र बैग, 50,000 से अधिक भाजपा ध्वज और 40,000 से अधिक तिरंगे—ये आँकड़े नहीं, बल्कि हजारों सपनों की कहानी हैं। रणबहादुर सिंह युवा डिजिटल केंद्रों में केवल कंप्यूटर नहीं चलते—यहाँ नई दिशाएँ खुलती हैं। जब कोई युवा पहली बार डिजिटल प्रशिक्षण लेकर अपने परिवार के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाता है या किसी बुजुर्ग की पेंशन की प्रक्रिया पूरी कराता है, तो वह केवल सेवा नहीं करता, बल्कि अपने भीतर जिम्मेदारी और आत्मविश्वास का एक नया अध्याय शुरू करता है। 1000 से अधिक प्रशिक्षित युवा और 8000 से अधिक लाभान्वित नागरिक—यह बदलाव की एक मजबूत लहर है। आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम ने दूरी को खत्म कर दिया है—यहाँ जनप्रतिनिधि और जनता के बीच कोई दीवार नहीं है। 165 सप्ताहों से लगातार गाँव-गाँव जाकर जब समस्याएँ सुनी जाती हैं, मौके पर समाधान दिया जाता है, तो लोगों के मन में यह विश्वास और गहरा होता है कि उनकी आवाज सुनी जा रही है। 1700 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान और सैकड़ों परिवारों तक पहुँची स्वास्थ्य सेवाएँ—यह केवल योजनाएँ नहीं, बल्कि विश्वास की नींव हैं। श्री राम रथ श्रवण यात्रा में जब कोई बुजुर्ग अयोध्या से लौटकर नम आँखों से कहता है—अब जीवन सफल हो गया—तो वही इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाती है। पिछले तीन वर्षों में 5000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को यह सौभाग्य मिला है—यह आँकड़ा नहीं, बल्कि आशीवार्दों का संचित रूप है। डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है कि सरोजनीनगर की ताकत उसकी जनता है—यहाँ योजनाएँ कागजों से नहीं, लोगों के दिलों से चलती हैं। कार्यकताओं का समर्पण, मातृशक्ति की ऊर्जा और बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलकर इस क्षेत्र को एक जनआंदोलन में बदल रहे हैं। यह यात्रा किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे सरोजनीनगर परिवार की है—जहाँ हर बूथ एक घर है, हर कार्यकर्ता एक अपना है और हर नागरिक एक जिम्मेदारी। यही भावना सरोजनीनगर को केवल विकसित नहीं, बल्कि जीवंत और प्रेरणादायक बनाती है।

किसानों को 04 मई को मिलेगी 122.28 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति

लखनऊ। प्रदेश सरकार की ओर से प्रतिकूल मौसम के कारण प्रभावित होने वाली फसलों से किसानों को सुरक्षा प्रदान करने और उनकी आय स्थिर बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। निदेशक कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, सुमिता सिंह ने इस संबंध बताया कि प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और चयनित 60 जनपदों में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना का सफल क्रियान्वयन खरीफ 2016 से बीमा कंपनियों के माध्यम से किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 04 मई, 2026 को अपराह्न 04 बजे प्रदेश के समस्त जनपदों में माननीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से खरीफ 2025 एवं रबी 2025-26 की फसल क्षतिपूर्ति धनराशि का वितरण किया जाएगा। आगामी 04 मई को होने वाले वितरण कार्यक्रम के विवरण के अनुसार, खरीफ 2025 मौसम की कुल देय क्षतिपूर्ति 730.04 करोड़ रुपये में से 624.88 करोड़ रुपये का भुगतान पहले ही किया जा चुका है और शेष 105.16 करोड़ रुपये का भुगतान इस दिन किया जाएगा। इसी प्रकार रबी 2025-26 मौसम की शेष 17.11 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भी भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार 04 मई को कुल 122.28 करोड़ रुपये की राशि लाभान्वित किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। 21 फरवरी, 2026 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा 'वन-क्लिक' के माध्यम से खरीफ 2025 की 285.00 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति 2.51 लाख किसानों को वितरित की गई थी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017-18 से वर्ष 2025-26 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अब तक कुल 67.86 लाख किसानों को 5755.68 करोड़ रुपये की राशि क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जा चुकी है।

बाजार हस्तक्षेप योजना के अंतर्गत लखनऊ व फरुर्खाबाद में आलू की खरीद शुरू

अमन लेखनी समाचार

- 10 जिलों में क्रय केन्द्र खोलने की प्रक्रिया तेज

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए विभिन्न जिलों में आलू क्रय केन्द्र तत्काल स्थापित कर खरीद प्रक्रिया प्रारंभ करने को कहा। मंत्री के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हॉफिड) को 10 जनपदों में क्रय केन्द्र स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें लखनऊ एवं फरुर्खाबाद को प्राथमिकता देते हुए दोनों जनपदों में आज से ही खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

मंत्री के निदेर्शानुसार जनपद लखनऊ के बक्शी का तालाब स्थित इंदौरा बाग में स्थापित क्रय केन्द्र का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा द्वारा किया गया, जबकि जनपद फरुर्खाबाद के मंडी समिति सातनपुर में स्थापित क्रय केन्द्र का शुभारंभ उद्यान निदेशक बीपी राम ने किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे। यह पूरी प्रक्रिया भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसके तहत किसानों से सीधे आलू की खरीद सुनिश्चित की जा रही है।

बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में बाजार में आलू का मूल्य कम है, वहां प्राथमिकता के आधार पर क्रय केन्द्र खोले जाएं और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाए। योजना के अंतर्गत बाजार हस्तक्षेप मूल्य 650.09 रुपये प्रति कुन्तल तथा ओवरहेड व्यय 162.52 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है, जबकि क्षतिपूर्ति की अधिकतम सीमा कुल खरीद लागत का 25 प्रतिशत तय की गई है, जिसका वहन केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा समान रूप से किया जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अन्य जनपदों में भी चरणबद्ध तरीके से क्रय केन्द्र स्थापित कर अधिकतम किसानों को लाभान्वित किया जाए।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित की जा रही रूफ टॉप गार्डेनिंग योजना के भव्य शुभारंभ की तैयारियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा, जिससे शहरी नागरिकों में बागवानी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अतिरिक्त मंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिक निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में अधिशेष औद्यानिक फसलों की पहचान कर उनके निर्यात को बढ़ाने हेतु ठोस रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने औद्यानिक उन्नयन गोष्ठियों के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर प्रदेशभर में इनके आयोजन के निर्देश दिए तथा विभागीय परियोजनाओं के शीघ्र लोकार्पण पर भी जोर दिया, ताकि आमजन को समयबद्ध रूप से लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने तथा सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उद्यान मंत्री ने अपील की है कि किसान निर्धारित क्रय केन्द्रों पर अपनी आलू उपज लाकर योजना का अधिकतम लाभ उठाएं तथा उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान करें।

एलकेजी छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास, मुकदमा दर्ज, आरोपी हिरासत में

आम खिलाने का लालच देकर बाग में बनी कोठरी में ले गया था आरोपी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां पड़ोस में रहने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति ने छह वर्षीय मासूम एलकेजी छात्रा को बहला-फुसलाकर बाग में ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, बच्ची घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला आरोपी कल्लू उसे आम की कैरी खिलाने का लालच देकर करीब 300 मीटर दूर स्थित एक आम के बाग में ले गया। बाग में बनी एक समाधि के पास कोठरी में आरोपी ने बच्ची के साथ गलत हरकतें शुरू कर दीं। डरी-सहमी बच्ची के रोने और चीखने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग निकला। घटना के बाद रोती हुई बच्ची घर पहुंची और अपनी मां को पूरी आपबीती बताई। परिजनों ने तत्काल स्थानीय थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे का आदी है।

चलती कार बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान

दमकल टीम की देरी पर उठे सवाल स्थानीय लोगों में रोष, लापरवाही के आरोप

अमन लेखनी समाचार

आग के गोला में तब्दील कार – फोटो

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के चलते लगी आग ने कुछ ही मिनटों में स्विफ्ट डिजायर कार को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, चालक की सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और वह समय रहते गाड़ी से कूदकर सुरक्षित बाहर निकल आया। माल थाना क्षेत्र के मसीढ़ा हमीर निवासी शशिकेंद्र दीक्षित उन्नाव जनपद के औरास थाना क्षेत्र के जवन गांव से रिश्तेदारी में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दौलतपुर गांव के पास इम्मानुएल मिशन स्कूल के निकट पहुंचे, तभी उनकी चलती कार में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते आग भड़क उठी। आग लगते ही शशिकेंद्र ने बिना देर किए गाड़ी रोकी और तुरंत बाहर छलांग लगा दी। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार धूं-धूं कर जलने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैली कि कार कुछ ही देर में आग के गोले में तब्दील हो गई और पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन दमकल टीम करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक कार पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। गाड़ी मालिक शशिकेंद्र दीक्षित ने बताया कि हादसा अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि 'अगर कुछ सेकंड की भी देर होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।'

स्थानीय लोगों में रोष

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की देरी पर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि यदि समय पर दमकल पहुंच जाती, तो नुकसान को कम किया जा सकता था।

गनीमत रही टला बड़ा हादसा

इस घटना में किसी के हताहत न होने से राहत की बात है। चालक की सतर्कता और त्वरित निर्णय ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया।

एकेटीयू में समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगी प्रवेश प्रक्रिया

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में मंगलवार को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रवेश समिति की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के यूपीटीएसी की ओर से हर वर्ष इंजीनियरिंग सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में होने वाली प्रवेश प्रक्रिया इस बार समर्थ पोर्टल के जरिये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। शैक्षिक सत्र 2026-27 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समस्त प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से करायी जाएगी। बीटेक में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने पर भी बैठक में चर्चा की गयी। इसके जल्द ही कार्यक्रम जारी किया जाएगा। बैठक में प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, कार्यवाहक कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी केशव सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह, प्राचार्या एफओएपी प्रो. वंदना सहगल सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

एक साल में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का यूपी आगमन

पर्यटन का बजट 22 गुना, संस्कृति के लिए बजट 20 गुना बढ़ा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए एक वर्ष में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आगमन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की पर्यटन-हितैषी नीतियों और बुनियादी ढांचे में किए गए व्यापक सुधारों का परिणाम मानी जा रही है।

पर्यटन विभाग की स्थायी समिति की बैठक में सामने आए आंकड़ों ने इस सफलता पर मुहर लगा दी, जहां बताया गया कि पर्यटन बजट में 22 गुना और संस्कृति के लिए बजट में 20 गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन प्रदेश की लोकप्रियता का प्रमाण है। अयोध्या, काशी, प्रयागराज समेत धार्मिक स्थलों का भव्य विकास योगी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले जहां पर्यटन विकास सीमित दायरे में था, वहीं आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, सुशासन और योजनाबद्ध विकास के माध्यम से पर्यटन को रोजगार और अर्थव्यवस्था से जोड़ रही है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन विभाग के बजट में लगभग 22 गुना और संस्कृति विभाग के बजट में करीब 20 गुना वृद्धि की गई है। यह बढ़ोतरी मुख्यमंत्री योगी की दूरदर्शी सोच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी बनाने में पर्यटन की अहम भूमिका होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि वर्ष 2025 में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का उत्तर प्रदेश आगमन हुआ, जो अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है।

महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन ने दुनिया भर का ध्यान उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित किया। प्रयागराज, अयोध्या और काशी को जोड़ने वाला स्पिरिचुअल ट्रायंगल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अनूठा आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार अब एक्सपीरियंशल टूरिज्म पर फोकस कर रही है, ताकि पर्यटक सिर्फ भ्रमण न करें बल्कि प्रदेश में अधिक समय रुकें और स्थानीय संस्कृति, खानपान तथा परंपराओं को करीब से जान सकें। इससे स्थानीय रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने झांसी में हेली सेवा, प्रयागराज में वाटर स्पोर्ट्स, सहारनपुर में जंगल सफारी, कानपुर में औद्योगिक पर्यटन और गाजीपुर सहित अन्य क्षेत्रों में पर्यटन विस्तार से जुड़े सुझाव भी दिए हैं।

संक्षेप

मानसिक रूप से अस्वस्थ वृद्ध महिला का मिला शव

हसनगंज, उन्नाव। मोहान नगर पंचायत के कर्बला मोहल्ले के पास मंगलवार सुबह एक वृद्धा का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान लखनऊ जिले के थाना बंथरा क्षेत्र के गुदौली गांव निवासी राम प्यारी (75) पत्नी हेमराज के रूप में कराई ।जिनका शव मंगलवार सुबह करीब सात बजे दुकान के बाहर वृद्धा का शव पड़ा देखा।इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के नाती अनिल कुमार को सूचना दी।मृतका के नाती अनिल कुमार ने बताया कि उनकी नानी मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और अक्सर घर पर नहीं रुकती थीं। वह मोहान क्षेत्र में इधर-उधर घूमती रहती थीं और कई बार दुकानों के बाहर ही रात गुजार देती थीं। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराए ही गांव ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया।कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि सुबह शव दुकान के बाहर पड़ा मिला था। शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। मृतका के नाती ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर हालत गंभीर

नवाबगंज, उन्नाव। कानपुर लखनऊ हाईवे पर पक्षी विहार के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक घायल हो गया। एंबुलेंस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।सोहरामऊ थाना क्षेत्र के सहरावां गांव निवासी राहुल 32 पुत्र कन्हाई मंगलवार को घर से मुर्तजानगर जाने के लिए बाइक से निकला था। दोपहर में वापसी के दौरान अजगैन कोतवाली क्षेत्र में पक्षी विहार के सामने अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राहुल घायल हो गया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई पति पत्नी घायल

औरास, उन्नाव। चकलवंशी मार्ग पर थाना क्षेत्र के इनायत पुर गांव के पास कार चालक को झपकी लग जाने से अनियंत्रित हुई कार एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार पर सवार दंपति घायल हो गए ।जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया ।जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया । उन्नाव शहर के पी डी नगर मोहल्ला निवासी इन्द्रबहादुर अपनी पत्नी ललिता के साथ सोमवार को कार पर सवार होकर किसी काम से सीतापुर गए गए थे। जहाँ से देर रात लौटते समय औरास चकलवंशी मार्ग पर इनायतपुर गाँव के पास कार चालक को झपकी लग जाने से कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई । हादसे में पति पत्नी दोनों घायल गए । कार में बैठा भाई संदीप बाल बाल बच गया। घटना की सूचना पर पहुँची एम्बुलेंश ने घायलों को सीएचसी औरास में भर्ती कराया। जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

139वे जयंती समारोह का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। आध्यात्मिक साहित्यिक संत एवं सरस्वती पत्रिका के संपादक प0 देवीदत्त शुक्ल के 139 वे जयंती पर आयोजित शास्वत समारोह का आयोजन हरिवंश लाल शुक्ल सरस्वती इंटर कॉलेज ऊँचगांव में आज दिनाँक 28 अप्रैल को संपन्न हुआ ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य भूषण डॉ गणेश नारायण शुक्ल ने देवीदत्त शुक्ल के कृतित्व और व्यक्तिव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य और अध्यात्म के गहन अध्येता थे उन्होंने महावीर प्रसाद द्विवेदी के बाद लगभग 27 वर्षों तक सरस्वती पत्रिका का संपादन किया। इसी बीच उन्होंने तंत्र शास्त्र की विख्यात पत्रिका का प्रकाशन करके अनेक दुर्लभ पाण्डुलिपियों का पाठ सम्पादन एवं प्रकाशन किया। डॉ. गणेश नारायण शुक्ल ने बताया उन्नाव की धरा जिन विभूतियों के असाधारण कृतित्व के माध्यम से महिमा-मण्डित हुई, उनमें एक प्रेरणाप्रद नाम पं० देवीदत्त शुक्ल का भी है ।शुक्ल उन कुछ लोगों में-से थे, जिन्हें साहित्य और पत्रकारिता की शिक्षा- प्रशिक्षा युग-प्रवर्तक आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी के सान्निध्य में प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम के अध्यक्ष रवि वर्मा पूर्व प्राचार्य राजकीय पालीटेक्निक प्रयागराज ने शुक्ल को युग पुरुष बताते हुए उनके साहित्यिक अवदान की विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के वक्ता कवि भवभूति ने अपनी कविता के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। अन्य वक्ताओं मे गौरी सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार शुक्ल ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देवीदत्त शुक्ल के पौत्र और चंडी पत्रिका के संपादक ब्रतशील शुक्ल ने कहा पं० देवीदत्त शुक्ल जी का जन्म गंगा-तटवर्ती और माता चण्डिका जी के प्रख्यात मन्दिर से विभूषित बक्सर ग्राम में उनका २८ अप्रैल, १८८८ को आविर्भाव एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था । अध्यात्म-आयुर्वेद एवं साहित्य की विशिष्ट परम्परा उन्हें अपने परिवार से विरासत में प्राप्त हुई थी ।जयंती समारोह पर प्रकशित चंडी पत्रिका का विमोचन किया गया तथा सभी अतिथियों को चंडी प्रकाशन से प्रकशित साहित्य भेट किया।

जयंती समारोह पर प्रकशित चंडी पत्रिका के अतिथि सम्पादक डॉ. आनंदवर्धन 'राघव' ने उनके संस्मरण बताते हुए आए हुये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। डॉ शुक्ल को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालो मे शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अवनिद्र सिंह, रामचंद्र शुक्ल, अरविंद सिंह एवं संचलन श्री स्वतंत्र सिंह जी ने किया।

झोपड़ पट्टी में लगी भीषण आग मची अफरा तफरी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शुक्लागंज स्थित धोबीन पुलिया स्टेडियम के पास मंगलवार दोपहर एक झोपड़पट्टी में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कई परिवारों का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झोपड़पट्टी में अचानक धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से एक झोपड़ी से दूसरी झोपड़ी तक फैलती चली गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा था, जिससे आसपास के लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

स्थानीय लोगों ने शुरूआत में बाल्टियों और पाइप के जरिए आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के सामने उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। इसके बाद तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस दौरान झोपड़पट्टी में रखे घरेलू सामान, कपड़े और अन्य जरूरी सामान जलकर नष्ट हो गए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है, लेकिन कई परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर भीड़ को हटाया और दमकल कर्मियों को उनके कार्य में सहयोग दिया। आग लगने के प्रारंभिक कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हजरत मोहम्मद साहब के जीवन पर नात पेश कर माहौल को बनाया रूहानी

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। उन्नाव कस्बे के मोहल्ला किलाबाजार में आयोजित मिलाद कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों से आए शायरों ने हजरत मोहम्मद साहब के जीवन पर नात पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। हरदोई के संडीला से आए मौलाना हसन मेहंदी ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पैगंबर के जीवन से सीख लेकर इंसान अपनी परेशानियों से निजात पा सकता है। उन्होंने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ धार्मिक शिक्षा देने पर जोर देते हुए कहा कि कुरआन की तालीम उन्हें ईमानदार और संस्कारी बनाती है। साथ ही समाज के कमजोर, बीमार और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम में कलकत्ता से आए मौलाना मंजर व हशमतुल्ला ने भी विचार रखे। नागपुर से कारी याकूब व जामी समेत हाफिज मुजीब, अल्ताफ, रियाजुद्दीन, मोहम्मद हसन, नसरुद्दीन और शकील

ने अपनी शायरी से देर रात तक वाहवाही बटोरी। इस दौरान हाफिज कुरान बने बच्चों फुरकान, अहसानुल हक, शराफत व उनके शिक्षक हाफिज अंसार को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

गंगा नदी के बढ़ते कटान को देखते सिंचाई विभाग अलर्ट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा नदी के बढ़ते कटान को देखते हुए सिंचाई विभाग सतर्क हो गया है। कटान की गंभीर स्थिति को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ओपी वर्मा ने मुक्ताघाट पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को तत्काल कटान रोकने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान, अधीक्षण अभियंता ने नदी किनारे कटाव की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली और मौके पर मौजूद तकनीकी टीम को प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो आसपास के रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान हो सकता है।

ओपी वर्मा ने निर्देश दिया कि नदी किनारे मजबूत बांध, बोल्डर पिचिंग और अन्य सुरक्षात्मक उपाय तेजी से किए जाएं। उन्होंने कटान प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने पर जोर दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्थानीय निवासियों ने भी निरीक्षण के दौरान अपनी चिंताएं अधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि गंगा कटान के कारण उनकी जमीन और घरों पर खतरा मंडरा रहा है, और उन्होंने विभाग से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की।

अधीक्षण अभियंता ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि विभाग स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और कटान रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शासन स्तर से भी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष का बीमारी के चलते हुआ निधन

अमन लेखनी समाचार

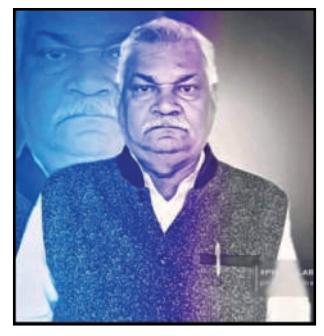

बीघापुर, उन्नाव। तहसील पाटन के पूर्व अध्यक्ष रहे अधिवक्ता सर्वेश प्रताप सिंह 65 के आकस्मिक निधन पर बीघापुर उन्नाव बार एसोसिएशन मे शोक की लहर दौड़ गई सिंह बीघापुर बार एसोसिएशन के तीन बार निर्विरोध अध्यक्ष रहे । पूर्व अध्यक्ष लम्बे समय से सुगर की बीमारी से लम्बे समय से बीमार चल रहे थे । मंगलवार को कानपुर में निजी अस्पताल में निधन हो गया ।उनके निधन पर सेंटर बार एसोसिएशन संघ अध्यक्ष विनय कुमार शुक्ला, बैसवारा बार एसोसिएशन संघ अध्यक्ष अरविंद प्रताप सिंह एवं बीघापुर उन्नाव बार एसोसिएशन एल्डर कमेटी ने संयुक्त रूप से तहसील सभागार में शोक सभा कर एक दिवसीय शोक प्रस्ताव पास कर न्यायिक कार्य से विरत रहे। इस अवसर पर कृष्णपाल सिंह चौहान , सुरेश पटेल विवेक मोहन, विनय कुमार शुक्ला , अरविंद सिंह , रणविजय सिंह , श्यामू सिंह , प्रभात सिंह , निर्मल कुमार आशुतोष सिंह , शेर बहादुर सिंह , अतुल सिंह आदि उपस्थित रहे

अपने सगे चाचा को मौत के घाट उतारने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी जितेंद्र ठाकुर पर अपने चाचा को ट्रैक्टर से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है, जिनकी बाद में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने आरोपी को अजगैन थाना क्षेत्र से पकड़ा है। बीती 25 अप्रैल 2026 को शाम करीब 5:30 बजे फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के सुक्खाखेड़ा पुल के पास हुई थी। ग्राम मतलबपुर सुक्खाखेड़ा निवासी जितेंद्र ठाकुर (36 वर्ष) लापरवाही से ट्रैक्टर चला रहा था। उसने पैदल जा रहे अपने चाचा मुन्नू उर्फ रामशंकर ठाकुर (58 वर्ष) को टक्कर मार दी। इस टक्कर से मुन्नू गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

घायल मुन्नू उर्फ रामशंकर ठाकुर की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। फतेहपुर चौरासी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना फतेहपुर चौरासी में धारा 281/106(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और ट्रैक्टर को भी कब्जे में ले लिया गया मामले की विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जितेंद्र ठाकुर ने जानबूझकर यह कृत्य किया था। इसके बाद मुकदमे में धारा 281/106 (1) बीएनएस को हटाकर धारा 105 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई।आज, 28 अप्रैल 2026 को सुबह 4:32 बजे, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वांछित अभियुक्त जितेंद्र सिंह (45 वर्ष) पुत्र लाल बहादुर सिंह को अजगैन थाना क्षेत्र के चौधरीखेड़ा पुल खेवरई जाने वाली सड़क से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा और आइसर ट्रैक्टर बरामद किया गया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

जिलाधिकारी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों से मिलकर उनकी समस्याएं भी सुनीं निरीक्षण के दौरान डीएम ने बैरकों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, खानपान एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था और अधिकारी सुदृढ़ करने के साथ ही नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। इस मौके पर जेल प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मकान निर्माण को लेकर की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम सैरमपुर मे मकान बनाने को लेकर हुए मारपीट के बाद दोनों तरफ से दी गई तहरीर के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज अर लिया थाना क्षेत्र के गांव सैरमपुर निवासी आदित्य कुमार ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि सोमवार को सुबह मै अपना घर बनवा रहा था तभी गांव के अमर बहादुर अपनी पत्नी गुड्डी देवी व बेटे अभिषेक , आकाश के साथजान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने लगे ?। बचाने आए अनुज का मोबाइल छीन कर तोड़ दिया । पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया । वही सैरमपुर निवासी अमर बहादुर ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि सोमवार को सुबह करीब 6 बजे गांव के ही अमित सिंह मेरे घर के सामने पिलर व दीवाल बनाने लगे । मना करने पर अमित ने धक्का देकर गिरा दिया ? और अनुज भद्दी भद्दी गालियां देकर मारापीटा । मेरी पत्नी गुड्डी देवी विडियो बनाने लगी तो फोन छीन लिया ?। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया । इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है । जांच कर कार्यवाही की जाएगी ।

सेना के जवान ने अपनी पैतृक जमीन पर अवैध कब्जा करने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सेना के एक नायब सूबेदार ने अपनी पैतृक भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। नायब सूबेदार डी. एन. द्विवेदी अपनी माता के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने बताया कि उनकी माता के नाम दर्ज करीब साढ़े तीन बीघा जमीन पर भू-माफियाओं ने कब्जा कर लिया है।

नायब सूबेदार द्विवेदी ने जानकारी दी कि वह भारतीय सेना में तैनात हैं और वर्तमान में ₹ऑपरेशन स्नो लेपर्ड₹ के तहत सीमा पर ड्यूटी कर रहे हैं। छुट्टी पर घर आने के दौरान उन्हें पता चला कि लखनऊ-कानपुर हाईवे फोरलेन के पास स्थित उनकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। यह जमीन उनकी माता सुमन द्विवेदी के नाम दर्ज है।द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्हें राहत मिली थी। कोर्ट ने जमीन की पैमाइश कराने और अवैध रूप से की गई मेड़बंदी हटाने का आदेश दिया था। हालांकि, आरोप है कि तहसील हसनगंज की एसडीएम प्रज्ञा पांडेय द्वारा अब तक इन आदेशों का पालन नहीं कराया गया है।

पीड़ित नायब सूबेदार ने आरोप लगाया कि रामेंद्र यादव, रवि राजपूत और कुछ अन्य स्थानीय लोगों ने जेसीबी का उपयोग कर खेत को नुकसान पहुंचाया और वहां अस्थायी ढांचा बनाकर कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर उनके परिवार को धमकियां दी जा रही हैं और उन्हें खेत में खेती करने से रोका जा रहा है।

द्विवेदी ने यह भी बताया कि उनकी माता दिव्यांग हैं और पिता लकवाग्रस्त हैं, जिसके कारण उनका परिवार असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

जनगणना 2027 प्रशिक्षण का निरीक्षण

डीएम ने कार्मिकों से संवाद कर गुणवत्ता की जानकारी ली, बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,जनगणना 2027 के प्रथम चरण का प्रशिक्षण संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहा है। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के इस प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान कार्मिकों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उपयोगिता के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पहुंचे। उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के

प्रशिक्षण का जायजा लिया। डीएम ने प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण को अधिक से अधिक व्यावहारिक और विस्तृत बनाया जाए, ताकि सभी कार्मिक विषय-वस्तु को भली-भांति समझ सकें और फील्ड में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें ।लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।डीएम ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्मिकों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने भोजन, पानी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी पूछताछ की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी कार्मिकों से जनगणना संबंधी प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मृतका के भाई ने दर्ज कराया मुकदमा पति को भेजा गया जेल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में 15 अप्रैल की दोपहर घरेलू कलह से परेशान होकर महिला ने घर के अंदर कमरे में साडी का फंदा बना कर फासी लगा ली थी मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति देवर सास ननद सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पति को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया अजगैन थाना क्षेत्र के बहाउद्दीन पुर गांव निवासी बीरेन्द्र कुमार रावत ने आरोप लगाया था कि जून 24 में बहन सावित्री देवी की शादी माखी थाना क्षेत्र के हमीर पुर गांव निवासी गौतम के साथ हुई थी शादी के बाद ससुराली जनो द्वारा बहन को प्रताड़ित किया जाता था जिसके चलते घटना के एक माह पहले मायके आ गयी थी और समझौते के बाद ससुराल गयी थी जहां पंद्रह अप्रैल को बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी मृतका के भाई बीरेन्द्र की तहरीर पर पुलिस ने पति गौतम देवर गोकुल सास सिया दुलारी और ननद सहित चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर पति को जेल भेज दिया गया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर पति गौतम को जेल भेज दिया गया है और अन्य की तलाश की जा रही है।

किसान भवन का किया गया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के गनेशी खेड़ा गांव में डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह 'राजू' ने 'किसान भवन' का शुभारंभ किया है। यह पहल कृषि और उद्यान क्षेत्र में किसानों को आधुनिक परामर्श और फसल सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। फसल चिकित्सक और उद्यान विशेषज्ञ डॉ. राजू अपनी विशेषज्ञता तथा अनुभव का उपयोग कर रहे हैं। उनका मुख्य लक्ष्य फसलों में लगने वाले रोगों का निदान करना और किसानों तक उन्नत बागवानी के तरीकों को पहुंचाना है। 'किसान भवन' फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीटों तथा बीमारियों से बचाने के लिए उचित उपचार और सुझाव प्रदान करेगा। यह केंद्र किसानों की समस्याओं को सुनकर उनका वैज्ञानिक समाधान निकालने के लिए समर्पित है। यहां किसानों को मिट्टी की जांच, खाद के सही उपयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह 'राजू' का लक्ष्य क्षेत्र के प्रत्येक किसान की फसल को समृद्ध और रोगमुक्त बनाना है।

भारत मजबूत घरेलू विकास के दम पर बेशक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसमें कमजोरियां भी हैं। एक ओर अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है। वहीं, दूसरी ओर कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत से खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ गया है। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। कह सकते हैं कि यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

कमजोर मानसून व युद्ध के कॉकटेल से बढ़ा खतरा

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

मजबूत घरेलू विकास के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें कमजोरियां नहीं हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है।

इसके बावजूद अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत की घरेलू खपत की कहानी अभी भी मजबूत बनी हुई है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5% कर दिया है, जबकि अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के अनुमान घटाए गए हैं। हालांकि भारत के सामने एक नया खतरा सामान्य से कम मानसून का भी है। सवाल यह है कि क्या इससे महंगाई और बढ़ेगी और भारत की विकास गति पर असर पड़ेगा? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अल नीनो जैसी स्थितियों की आशंका जताई है।

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है।

खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी होगी

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार यह 2002 के बाद सबसे कम अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं।

यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। बता दें कि अल नीनो समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि की एक प्रक्रिया है, जो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समय-समय पर होती है। इससे वैश्विक मौसम पैटर्न प्रभावित होते हैं। भारत में इसका असर दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर करने के रूप में दिखता है, जिससे कम वर्षा और कभी-कभी सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है।

गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रभाव

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार अल नीनो के दौरान भारत का मानसून सामान्य से कमजोर रहता है। 1950 के बाद 16 अल नीनो वर्षों में से 7 बार मानसून सामान्य से कम रहा। अर्थशास्त्री युविका सिंघल के अनुसार अगस्त के आसपास अल नीनो होने पर मानसून की शुरुआत सामान्य रह सकती है और खरीफ बुवाई भी ठीक हो सकती है, लेकिन अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। मध्य पूर्व संकट के कारण उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। सरकार द्वारा खुले बाजार में चावल और गेहूं के भंडार जारी करने से अनाज की कीमतों पर कुछ नियंत्रण रह सकता है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार अल नीनो के कारण टमाटर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि आलू की कीमतों पर असर नहीं होगा। प्याज की कीमतें सामान्य वर्षों में भी आम लोगों को परेशान करती हैं।

महंगाई और जीडीपी पर असर

एलएंडटी के मुख्य अर्थशास्त्री सचिदानंद शुक्ला के अनुसार घरेलू फसलों के अलावा कोको, कॉफी, चीनी और पाम ऑयल जैसी वैश्विक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ऊंचे कच्चे तेल के दाम ईंधन, उर्वरक और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ाकर अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

कच्चे तेल, गैस, उर्वरक और संभावित रूप से फसलों की आपूर्ति झटकों के कारण महंगाई अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है और जीडीपी वृद्धि दर कम हो सकती है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार केवल अल नीनो का असर सीमित हो सकता है, लेकिन अल नीनो और सूखे की स्थिति में जीडीपी में 0.20% से 0.65% तक की गिरावट संभव है। पीडब्लूसी इंडिया के रणेन बनर्जी के अनुसार यदि मानसून में 8-10% की कमी होती है और जलाशयों का स्तर पहले से ही कम है, तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है और इसका असर खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों पर भी पड़ सकता है। उनके अनुसार हेडलाइन महंगाई 5% से ऊपर जा सकती है, लेकिन आरबीआई की 6% की सीमा के भीतर रह सकती है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होती है, तो सीपीआई महंगाई में 0.20-0.25% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल सरकार ने कीमत बढ़ाने की कोई योजना नहीं बताई है।

आगे का अनुमान

अगर कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता है और मानसून सामान्य से कम होता है, तो 2026-27 में सीपीआई महंगाई 4.5% और जीडीपी वृद्धि 6.6% रह सकती है। कमजोर मानसून से ज्यादा खतरा लंबे समय तक ऊंचे कच्चे तेल के दाम से है, क्योंकि इससे व्यापक महंगाई बढ़ सकती है। कमजोर मानसून और ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों का संयोजन लोगों की आय और खपत पर दबाव डाल सकता है।

अल नीनो से जोखिम

वित्त वर्ष की पहली छमाही में वृद्धि थोड़ी धीमी हो सकती है। फिर भी, एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत 6.8% से 7.1% की दर से वृद्धि बनाए रख सकता है, जो वैश्विक औसत से बेहतर है। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और सेवाओं का क्षेत्र इसकी ताकत बने हुए हैं, जबकि भू-राजनीतिक तनाव, तेल की कीमतें, आपूर्ति बाधाएं और अल नीनो जोखिम बने हुए हैं।इसके अलावा, सरकार की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर निरंतर जोर अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। निजी क्षेत्र का निवेश भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। कुल मिलाकर, बाहरी जोखिमों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और मध्यम अवधि में स्थिर वृद्धि की उम्मीद कायम है।

किसानों के लिए चलाएं जागरूकता अभियान

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

जैसे ही कृषि से संबंधित किसी भी घटना का प्रभाव माना जाता है तो हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों की ही बात होती है। चूंकि नॉर्थ इंडिया में यह वो राज्य हैं जो लगभग अनाज की आपूर्ति के लिए पर्याप्त माने जाते हैं। जब कमजोर मानसून आता है तो इससे इन राज्यों के किसानों के मन में एक निराशा सी छा जाती है व आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ता है, लेकिन अब सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है? तकनीकों व पुरानी घटनाओं के आधार पर विशेषज्ञों के अनुसार कुछ ऐसी बातें हैं जिससे फसल बच सकती है। सबसे पहले बारिश के बाद गेहूं की फसल को सबसे ज्यादा खतरा खेत में ठहरे हुए पानी से माना जाता है क्योंकि अगर फसल की जड़ों में ज्यादा देर तक पानी जमा रहा तो जड़ें गलने लगेंगी, साथ ही नमी की वजह से दाने काले पड़ सकते हैं व फंगस लग जाएगी। इसलिए जैसे ही बारिश रुक जाए तो सबसे पहला काम यह करें कि खेत के निचले हिस्सों में फावड़े से छोटी-छोटी नालियां बना दें।

सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है?

बारिश के बीच या ठीक बाद काटी गई फसल में नमी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यदि भीगे हुए गेहूं को बोरियों में भर देंगे तो वह कुछ ही समय में सड़ने लगेगा व बदबू मारेगी। इसलिए कटाई के बाद फसल को किसी ऊंचे स्थान या पक्के फर्श पर फैला कर दानों को बार-बार ऊपर-नीचे करते रहें ताकि धूप और हवा हर दाने तक पहुंचे। अक्सर देखा जाता है कि तेज हवा और बारिश की वजह से गेहूं की फसल खेत में बिछ जाती है। यदि फसल गिर जाती है तो उसे ज्यादा दिनों तक जमीन पर न रहने दें। चूंकि मिट्टी की नमी गिरी हुई बालियों को जल्दी खराब कर देती है जिससे पैदावार में भारी गिरावट आ जाती है। ऐसी स्थिति में धूप निकलते ही जितनी जल्दी हो सके गिरी हुई फसल की कटाई शुरू कर दें। कई बार लगातार बारिश और नमी की वजह से बालियों में लगे हुए दाने खेत में ही अंकुरित होने लगते हैं। यदि बालियों में हल्का भी अंकुरण दिखाई दे तो इसे फसल के लिए बड़ा खतरा समझें और एक मिनट भी बर्बाद न करें, क्योंकि अंकुरित गेहूं न तो मंडी में अच्छे भाव बिकता है और न ही खाने लायक बचता है। इसके अलावा बहुत सारे ऐसे नुस्खे जिससे फसलों की बर्बादी बचाई जा सकती है। वहीं, यदि इन सब उपायों के बाद भी फसल नहीं बचती अथवा बड़ी प्राकृतिक आपदा आ जाती है तो फसल बर्बादी होने पर सरकार मुख्य रूप से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वित्तीय सहायता देती है।

इसमें ओलावृष्टि, बाढ़, सूखे या कीटों के हमले से नुकसान पर मुआवजा मिलता है, लेकिन किसान बीमा दावा पाने के लिए किसानों को 72 घंटे में नुकसान की सूचना देनी होती है। इसके अलावा राज्य सरकारें अलग से राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत मदद करती हैं। लेकिन इसके लिए किसान को भी जागरूक होना आवश्यक है। चूंकि अब सारे कार्य एप से होते है और सब कुछ ऑनलाइन है। यह सब होने से सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि किसानों और सरकारों के बीच की दलाली प्रथा भी खत्म हो गई। किसानों के लिए सरकारों के तत्वावधान में हमेशा सार्थक कदम उठाए जाते रहे हैं। यदि इस प्रणाली में किसानों को एप चलाने की जानकारी और दे दी जाए तो किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा।

जैसा कि हम जानते हैं कि नॉर्थ इंडिया का मुख्य अनाज मुख्यतः गेहूं पर ही आधारित है और इसके लिए सबसे ज्यादा भरपाई हरियाणा,पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे राज्य करते हैं तो इसलिए यहां किसानों के लिए एक विशेष टीम को गठित करते हुए किसानों को जागरूक किया जाए और उनकी सभी योजनाओं का लाभ देने में मदद की जाए। हमारे देश में किसानों को अन्नदाता का दर्जा दिया गया है। किसानों की जमीन गरीब व मुफलिसी के चलते न बिके व उनकी हर सही जरूरत का ध्यान रखा जाए, जिससे हमारे देश को मिला कृषि प्रधान देश का तमगा हमेशा बना रहे।

खेती की लागत और उत्पादन पर होगा असर

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ा दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कम बारिश फसल उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण आय पर असर डाल सकती है, खासकर तब, जब ग्रामीण बाजार हाल में ही लंबी सुस्ती के बाद सुधार दिखा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपने पहले दीर्घकालिक पूर्वानुमान में वर्षा को लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) का 92 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम है। यह पिछले लगभग 25 वर्षों में सबसे कमजोर शुरुआती अनुमान माना जा रहा है और 2024-25 में दर्ज सामान्य से अधिक बारिश के रुझान के उलट है। ऐसे में खरीफ सीजन की फसलों पर इसका सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग दोनों प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति देश के लगभग 60 प्रतिशत किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकती है, जो खरीफ फसल के लिए पूरी तरह मानसूनी वर्षा पर निर्भर रहते हैं। कई क्षेत्रों के लिए यह दोहरी मार जैसी स्थिति है, क्योंकि वे पहले ही 2026 के प्री-मानसून मौसम में ओलावृष्टि और बाढ़ के कारण नुकसान झेल चुके हैं। बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है। हालांकि पर्याप्त बफर स्टॉक के कारण सरकार को धान उत्पादन को लेकर ज्यादा चिंता नहीं होगी, लेकिन अन्य फसलों के उत्पादन में गिरावट से इनकी कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी खाद्य महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। अलनीनो या सुपर अलनीनो की आशंका से अर्थशास्त्री इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि इससे पहले भी अल नीनो के कारण अनियमित वर्षा पैटर्न से 2023-24 फसल वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन 6.1 फीसदी तक घट गया था। 1980 के बाद के लगभग 70 फीसदी अल नीनो वर्षों में देश में कम वर्षा दर्ज की गई है। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले महीनों में न सिर्फ गर्मी नया रिकॉर्ड बनाएगी, बल्कि देश के कुछ इलाकों को सूखे का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल, मानसून को लेकर आईएमडी का यह पूर्वानुमान मौसम ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक चेतावनी भरा संकेत है, क्योंकि कमजोर मानसून का असर आम तौर पर खाद्य मुद्रास्फीति, ग्रामीण आय और विवेकाधीन खर्च के जरिए व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। इससे एफएमसीजी, ट्रैक्टर, दोपहिया और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग पर दबाव बन सकता है, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों और उत्पाद श्रेणियों पर असर एक जैसा नहीं होता। खैर, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव (ईरान युद्ध) के कारण यह चिंता और भी बढ़ गई है, क्योंकि युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को बाधित किया है। इसके कारण उर्वरक और ऊर्जा की लागत बढ़ने से कृषि के खर्च (इनपुट कॉस्ट) को पहले ही बढ़ा दिया है। साफ है, अगर हालात बिगड़ते हैं तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। भारत में तेल महंगा होने का मतलब है ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत बढ़ना। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर दो खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाजारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। अच्छी बारिश न सिर्फ कृषि क्षेत्र के लिए जरूरी है, बल्कि इससे उद्योग जगत में भी बहार आती है। मालूम हो कि खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। इससे पूरी आर्थिक एक्टिविटी गड़बड़ा जाती है। अब आने वाले समय में मानसून कैसा रहता है, अल नीनो कितना असर डालता है और दुनिया के हालात कैसे रहते हैं, इन सब फैक्टर्स पर आगे महंगाई दर निर्भर करेगी। आने वाले कुछ महीने इस लिहाज से बहुत अहम रहने वाले हैं।

बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है।

ग्रामीण क्रयशक्ति घटने से मांग पर होगा असर

चिंतन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान अगर सही रहा तो तय है कि आने वाले दिनों में खेती-किसानी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। भारत की तकरीबन 45 फीसद खेती चूंकि मानसूनी बारिश पर निर्भर है, लिहाजा कमजोर मानसून की वजह से फसल की पैदावार कम हो सकती है।

इससे ग्रामीण क्रयशक्ति में कमी हो सकती है। इससे उपभोक्ता मांग भी प्रभावित होगी। हकीकत यह है कि मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। मानसून आधारित कृषि देश के समूचे कार्यबल के करीब आधे हिस्से को रोजगार देती है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए का कहना है कि कम वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई पर असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन तो कम होगा ही, किसानों की आय घटेगी और खाद्य पदार्थों की कीमतों बढ़ोत्तरी होगी। आशंका है कि वित्त वर्ष 2027 में खाद्य मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। फसलों की पैदावार कम होने की आशंका के चलते, अनाज और दालों की कीमतों में बढ़ोतरी होना तय है, जिसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। कमजोर मानसून से कृषि श्रमिकों की मजदूरी पर भी असर पड़ सकता है। निश्चित तौर पर इसका असर देश की विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी और मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है। इसके लिए अभी से ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंत्रालय का कहना है कि औसत से कम मानसून रहता है तो उससे फसल पैदावार में आने वाली गिरावट और अर्थव्यवस्था के नुकसान को कम करने की वह कोशिश कर रहा है। हालांकि मंत्रालय का मानना है कि देश के जलाशयों का मौजूदा जल स्तर

सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है।

सामान्य स्तर से 127.01 प्रतिशत ज्यादा है, लिहाजा सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भंडार उपलब्ध हैं। इस वजह से मंत्रालय को लगता है कि आशंका की बजाय कृषि पर अपेक्षाकृत कम असर रहेगा। सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है। इसलिए मंत्रालय ऐसी कोशिशें तेज कर चुका है। इसे ही ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को सूखा-प्रतिरोधी बीज की किस्मों को बढ़ावा देने और विलंबित बुवाई रणनीति को बढ़ावा देने का आदेश दिया है। अगर खरीफ की फसलों की उपज कम रही तो देश के पास उपलब्ध रिकॉर्ड 380 लाख मीट्रिक टन चावल के भंडार का मुंह खोलकर सरकार देश में खाद्यान्न की कमी और उसकी वजह से होने वाली खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की कोशिश कर सकती है। मानसून के पूर्वानुमान और उससे कृषि उपज, ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विश्लेषकों की राय अलग-अलग हैं। विश्लेषकों ने मौजूदा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि देश में 380 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त चावल भंडार मौजूद है। उनका तर्क है कि जरूरी नहीं कि खाद्य मुद्रास्फीति वर्षा की मात्रा पर निर्भर ही रहे। उनके मुताबिक, यह देखना होगा कि बारिश किस इलाके में कितना होती है। किसी इलाके में बेहतर बारिश होगी तो वहां का स्थानीय अन्न उत्पादन बेहतर होगा, बनिस्बत जहां कम बारिश होगी। इससे हो सकता है कि अन्न उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर उतनी कमी ना दिखे, जैसी आशंका जताई जा रही है। देखा गया है कि अपेक्षाकृत अच्छी बारिश वाले वर्षों में भी खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही है, जैसे वित्त वर्ष 2009 में 98 प्रतिशत बारिश के साथ 8.43 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2011 में 102 प्रतिशत बारिश के साथ 15.2 प्रतिशत खाद्य मुद्रास्फीति रही। वहीं, कम बारिश वाले वर्षों, जैसे वित्त वर्ष 2013 में 93 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2019 में 91 प्रतिशत बारिश के साथ खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 6.33 प्रतिशत और 0.09 फीसद रही। रिजर्व बैंक की एमपीसी ने इन हालात का ध्यान रखते हुए ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। हालांकि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि अगर मानसून की स्थिति खराब होती है या फिर पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा की कीमतें बढ़ती हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में मौद्रिक नीति को सख्त किया जा सकता है।

नीति निर्धारण नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन आवश्यक

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

भारतीय कृषि वर्तमान में एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। प्रकृति की प्रतिकूलता तथा वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता ने मिलकर एक दोहरी मार की स्थिति उत्पन्न कर दी है। कम व असंतुलित मानसून के कारण जलभराव तथा सिंचाई की अनिश्चितता ने बुवाई चक्र को प्रभावित किया है, वहीं खाड़ी युद्ध की विभीषिका ने उर्वरक उत्पादन को बाधित किया है। देश में उर्वरक उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, जो प्रत्यक्ष रूप में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस संकट की तीव्रता को होर्मुज के गतिरोध ने अधिक जटिल बना दिया है। कतर तथा ओमान जैसे प्रमुख उर्वरक निर्यातक देशों से होने वाला आयात लगभग बंद है, जिससे आपूर्ति पूरी तरह छिन्न-भिन्न है। ऐसे कठिन समय में, जब कृषक पहले से ही प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहे हैं, उर्वरकों की कमी तथा इनके बढ़ते मूल्यों ने उनकी आजीविका को असुरक्षित कर दिया है। इन परिस्थितियों में, कृषि मंत्रालय की भूमिका केवल एक नियामक की न होकर, एक संकट प्रबंधक की होनी चाहिए। मंत्रालय को अब तात्कालिक राहत तथा दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन साधने के लिए कुछ असाधारण कार्य करने की आवश्यकता है। इसमें न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक मार्गों से वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की खोज सम्मिलित है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर 'नैनो यूरिया अर्थात सूक्ष्म तरल उर्वरक' जैसे विकल्पों को प्रोत्साहन देना तथा वितरण प्रणाली में स्थायी पारदर्शिता लाना भी अनिवार्य है। भारत जैसी कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के लिए उर्वरक केवल एक आयात आधारित आगत नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण कारक भी है। इस संदर्भ में यह आशंका विचारणीय है कि यदि समय रहते कठोर तथा नवीन कृषि नीतिक कार्य संपन्न नहीं किए गए तो उर्वरक संकट को व्यापक खाद्य संकट में परिवर्तित होने में समय नहीं लगेगा। होर्मुज बाधा द्वारा रुकी हुई उर्वरक आपूर्ति के लिए मंत्रालय को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर वार्ता करनी

मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए।

चाहिए। इनके अतिरिक्त रूस, मोरक्को तथा कनाडा जैसे वैकल्पिक उर्वरक उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक आयात-अनुबंध करने होंगे। साथ ही, इनकी बाधामुक्त आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों के स्थान पर, यदि संभव हो तो, सुरक्षित थल मार्गों अथवा अन्य सागर तटों के उपयोग की संभावनाओं को तत्काल खोजना होगा। नैनो अर्थात सूक्ष्म तरलीकृत उर्वरकों तथा इनके जैविक विकल्पों को युद्धस्तर पर बढ़ावा देना। पारंपरिक यूरिया तथा डीएपी की कमी दूर करने के लिए नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के प्रयोग को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना अनिवार्य है। इसके लिए इनका प्रसार होना चाहिए। अतः कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरकों के लाभ बताने होंगे। शासन को जैव-उर्वरकों तथा वर्मी-कम्पोस्ट पर प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करनी होगी, ताकि अखिल भारतीय कृषकों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। वितरण प्रणाली की सूक्ष्म निगरानी तथा कालाबाजारी पर रोक के अभियान को शासकीय निष्ठा के साथ संपन्न करना होगा। खाद की आपूर्ति कम होने पर इसके व्यापारियों द्वारा जमाखोरी तथा कालाबाजारी की संभावना बढ़ जाती है। मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए। इस हेतु डिजिटल सूचना-पट तैयार करना होगा, ताकि राज्य स्तर पर उर्वरक की उपलब्धता की पारदर्शी निगरानी संभव हो सके। संकट के समय में उर्वरकों का अपव्यय रोकना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्र के आधार पर केवल आवश्यक मात्रा में ही पोषक तत्व डालने के लिए प्रेरित किया जाए। इससे न केवल उर्वरक की बचत होगी, बल्कि खेती की लागत में भी कमी आएगी। भारत में उर्वरक का कच्चा माल (जैसे रॉक फास्फेट तथा प्राकृतिक गैस) की कमी है। इसीलिए इसके लिए हम आयात पर निर्भर हैं। देश में अपशिष्ट से कृषिधन प्रतिरूप अपनाकर गोबर व कृषि अवशेषों से बड़े स्तर पर 'कंपोस्ट' तथा 'तरल जैव-उर्वरक' का उत्पादन किया जा सकता है। साथ ही, हरित हाइड्रोजन आधारित अमोनिया संयंत्र लगाकर विदेशी कच्चे माल तथा गैस पर निर्भरता समाप्त की जा सकती है। यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है।

संक्षेप

एक्सीडेंट में बेटा घायल

पिता को सूचना मिलते ही हॉर्ट अटैक से गई जान, लखनऊ के अस्पताल में था भर्ती

अमेठी, इकलौता बेटे की एक्सीडेंट में घायल होने की सूचना मिलते ही पिता की हॉर्ट अटैक से मौत हो गई। परिजन अस्पताल से शव को लेकर घर पहुंचे। यहां अंतिम संस्कार करने के बाद घायल किशोर को लेकर लखनऊ के लोहिया अस्पताल में पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है।दरअसल, शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में शनिवार की दोपहर में दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में किशोर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से घायल को स्वशासी मेडिकल कॉलेज तिलोई पहुंचाया गया, जहां उसको प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। हादसे में बेटे की घायल होने की सूचना जब लखनऊ के अस्पताल में भर्ती पिता को दी गई। लेकिन यह सूचना मिलते ही उनको हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। पिता एक हफ्ते पहले से लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे, जहां उनके हॉर्ट का ऑपरेशन हुआ था। अब उसको अस्पताल से छुट्टी मिलने वाली थी। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी की दूरी पर स्थित इन्हौना थाना क्षेत्र का है हादसे में एक किशोर की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायलरिहरपुर मजरे फूला निवासी कलीम का 5 साल पहले सऊदी में बेकरी में काम करते थे। लेकिन हार्ट की बीमारी के कारण अपने घर में ही छोटी सी परचून की दुकान खोलकर परिवार का पालन पोषण करते थे। कलिम के दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी (21) सायमा और दूसरी बेटी (17) सायदा बनो 10वीं की पढ़ाई कर रही है। दोनों बेटियों की अभी शादी नहीं हुई है। जबकि सबसे छोटा बेटा (14)कैफ 9वीं की पढ़ाई कर रहा है। कलीम को एक हफ्ते पहले लखनऊ के निजी अस्पताल में हार्ट के ऑपरेशन के लिए भर्ती करवाया गया था। उनको शनिवार को अस्पताल से घर जाना था। लेकिन उनका बेटा मोहम्मद कैफ शनिवार की दोपहर में अपने बाइक से किसी काम से सेमरौता जा रहा था। इसी दौरान नैया नाला पुल पर गंगानगर मजरे दांदुपुर निवासी मुजीब का 17 वर्षीय बेटा मोहम्मद अरमान की बाइक से आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में अरमान की मौत हो गई। जबकि मोहम्मद कैफ गंभीर रूप से घायल हो गया।

पट्टी बरसनडा में ट्रांसफार्मर जला, बिजली संकट गहराया

ग्रामीण 25 केवी की जगह 63 केवी ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

अमेठी, पट्टी बरसनडा गांव में ग्रामीण कई दिनों से बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। गांव में लगा 25 केवी का ट्रांसफार्मर बार-बार जल रहा है, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित है। ग्रामीण अब 25 केवी की जगह 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग कर रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा 25 केवी के ट्रांसफार्मर पर बिजली का लोड अधिक है। इसी कारण यह लगातार खराब हो रहा है। उनकी मांग है कि 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगने से गांव को नियमित और पर्याप्त बिजली मिल सकेगी।

इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने बिजली विभाग को लिखित और ऑनलाइन शिकायतें भेजी हैं।

सदर विधायक पर सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बाराबंकी निवासी अभियुक्त को नगर कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जनप्रतिनिधि पर सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी करने वाले एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बहराइच सदर से भाजपा विधायक व पूर्व शिक्षा मंत्री अनुपमा जायसवाल पिछले दिनों महिला शक्ति वंदन कार्यक्रम में शामिल हुई थी इसी दौरान वह घायल हो गई थी। जिन्हें तत्काल बहराइच मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया था जिनका इलाज लखनऊ में स्थित हॉस्पिटल में चल रहा है। कोतवाली नगर पुलिस के अनुसार एक शिकायती पत्र मिला था जिसमें बताया गया था कि सदर विधायक अनुपमा जायसवाल एक महत्वपूर्ण नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में शामिल हुई थी इस दौरान चोटिल हो गई थी जिस पर अभिषेक वर्मा द्वारा विधायिका जी के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करते हुए पोस्ट डाली गई जिस पर बाराबंकी बाबा नाम से यूजर द्वारा बहुत ही अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की गई?। प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की गई जिसमें बाराबंकी बाबा नाम से संचालित फेसबुक के संचालक अनुज कुमार वर्मा पुत्र विजय कुमार वर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी सदरुद्दीनपुर कलिकापुर थाना लोनी कटरा जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने वालों को पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

बहराइच में एंटी करप्शन टीम की बड़ी कार्रवाई

रिश्वत लेते रंगे हाथ उपनिरीक्षक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

बहराइच। जिले के मोतीपुर थाने में तैनात एक सब इंस्पेक्टर को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार निवारण संगठन, देवीपाटन मंडल गोंडा की ट्रैप टीम ने निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि मोतीपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र गिरी एक मुकदमे में उसके परिजनों का नाम निकालने और जेल न भेजने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे।

पीड़ित की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया और मंगलवार दोपहर थाना मोतीपुर मेन गेट के पास स्थित एक चाय की दुकान पर आरोपी उपनिरीक्षक को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी दोपहर करीब 1:33 बजे की गई।भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र गिरी वर्तमान में मोतीपुर थाने में एसएसआई पद पर तैनात थे। गिरफ्तारी के बाद टीम ने आरोपी के खिलाफ नानपारा कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

एंटी करप्शन टीम ने मामले में आवश्यक साक्ष्य, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग तथा एफआईआर समेत अन्य दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर ली है। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

नेपालगंज के होटल सोल्टी में 30 अप्रैल से शुरू होगा थारू फूड फेस्टिवल

संस्कृति और स्वाद का अनूठा संगम

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। पश्चिमी नेपाल की समृद्ध थारू संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होटल सोल्टी वेस्टइंड प्रीमियर नेपालगंज में थारू फूड फेस्टिवल का आयोजन कल से शुरू होने जा रहा है। यह विशेष आयोजन 30 अप्रैल से 2 मई 2026 तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा। होटल परिसर के रोज गार्डन में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय फेस्टिवल में पश्चिमी नेपाल के पारंपरिक थारू व्यंजनों के साथ-साथ क्षेत्रीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य थारू समुदाय के खान-पान, पहनावे और सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करना है। फेस्टिवल में आगंतुकों के लिए थारू कल्चरल म्यूजियम सेटअप एवं स्टॉल्स, सांध्यकालीन थारू सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति, पारंपरिक थारू वेशभूषा अनुभव, लाइव किचन एवं थीम आधारित बार, बच्चों के लिए विशेष प्ले एरिया तथा पूरे दिन संगीत और सांस्कृतिक माहौल की व्यवस्था की गई है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। साथ ही आगंतुकों के लिए रिडीमेबल वाउचर की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। होटल प्रबंधन ने स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों से बड़ी संख्या में पहुंचकर इस सांस्कृतिक एवं पाक उत्सव का आनंद लेने की अपील की है। यह आयोजन नेपालगंज में पर्यटन और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भाई की तेरहवीं से एक दिन पहले युवक की मौत

अस्थि-विसर्जन करके बुलेट से लौट रहा था, बोलेरो ने मारी टक्कर; 1 महीने पहले हुई थी शादी

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, बोलेरो और बुलेट की आमने सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बुलेट सावर एक युवक की मौत हो गई। दरअसल, युवक के भाई की 11 दिन पहले अहमदाबाद में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। युवक अपने अन्य एक साथी के साथ धोपाप धाम से अस्थि विसर्जन करके लौट रहा था। उसी दौरान सड़क बोलेरो की टक्कर से घायल हुआ टक्कर के बाद बोलेरो उसी रफ्तार से निकल गई। वहां मौजूद स्थानीय लोगो ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों को सीएचसी ले गईं, जहां डॉक्टर्स ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे युवक को मामूली चोटें आईं है। पुलिस ने घटनास्थल पर लोगों से पूछताछ करके बोलेरो की तलाश शुरू कर दी है। युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बड़े भाई का अस्थि विसर्जन करके लौटते समय हादसा

यह घटना कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में करीब 4 बजे हुई है। मृतक की पहचान मालिकपुर नगरा गांव के रहने वाले रामजद यादव के बेटे विपिन यादव (25) के रुप में हुई है। रामजद के तीन बेटे प्रिंस, विपिन और नीरज थे। प्रिंस अहमदाबाद में रहते थे। आज से 11 दिन पहले प्रिंस की अहमदाबाद में ही सड़क हादसे में मौत हो गई थी। प्रिंस का शव घर आने के बाद अंतिम संस्कार किया गया था। एक दिन बाद प्रिंस की तेरहवीं थी। विपिन अपने एक रिश्तेदार अंकित यादव के साथ सुलतानपुर के ही धोपाप धाम में अस्थि विसर्जन के लिए गए हुए थे। वहीं से लौटते समय सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बुलेट को टक्कर मार दी। इस हादसे में विपिन और अंकित घायल हो गए। चालक उसी रफ्तार में आगे निकल गईं।

दो बेटों की मौत से गहरे सदमे में परिवार

हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग दोनों घायलों के पास पहुंच गए। वहां मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों घायलों को सीएचसी लेकर पहुंची। डॉक्टर्स ने जांच के बाद विपिन को मृत घोषित कर दिया। वहीं अंकित को हल्की फुल्की चोटें लगी है, जिनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

पाक' का 32वां आयोजन

सांप्रदायिक सौहार्द का दिया संदेश, मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस शमीम अहमद भी हुए शामिल

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , 'जश्न-ए-वारिस पाक' का 32वां आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्र में शांति और आपसी भाईचारे का प्रतीक बन गया है। कार्यक्रम के आयोजक मोबीन अहमद उर्फ लड्डन बाबा ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य सरकार देवा शरीफ वारिस अली शाह रहमतुल्लाह अलैह के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है। यह आयोजन शहर के खुर्शीद क्लब मैदान में संपन्न हुआ।इसमें शमीम अनवर इंटरनेशनल आर्टिस्ट कव्वाल और मेरठ के वारिस साबरी इंटरनेशनल कव्वाल ने अपनी कव्वाली प्रस्तुत की। मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस शमीम अहमद मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।लड्डन बाबा ने बताया कि सरकार वारिस अली शाह का बचपन से ही लोगों से मोहब्बत करने, एकजुटता कायम करने और समाज को जोड़ने का संदेश रहा है। वे समानता की सीख देते थे। लड्डन बाबा ने देशवासियों के लिए एक विशेष संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में नफरत को खत्म कर मोहब्बत बांटने की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने देश की तरक्की के लिए दुआएं कीं।पिछले 32 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में सभी धर्मों और समुदायों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। लड्डन बाबा ने इसकी सफलता का श्रेय जनता के सहयोग और मीडिया के समर्थन को दिया।

भाजपा के प्रदर्शन में महिला इंस्पेक्टर से अभद्रता

सीने पर हाथ रखकर पीछे धकेला; अखिलेश बोले- ये क्या सम्मान करेंगे

अमन लेखनी समाचार

अमेठी,भाजपा के महिला जनाक्रोश प्रदर्शन के दौरान महिला इंस्पेक्टर के साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की की गई। गौरीगंज में भाजपा कार्यकर्ता विपक्ष का पुतला फूंक रहे थे, तब महिला इंस्पेक्टर ने उन्हें रोका।इस दौरान एक युवक ने महिला इंस्पेक्टर के सीने पर हाथ रखकर पीछे धकेला। उसने हाथ पकड़कर भी धक्का दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। महिला इंस्पेक्टर से अभद्रता करने वाले युवक का नाम विद्यमान तिवारी है। वह पूर्व विधायक का भांजा बताया जा रहा है।अखिलेश यादव ने इसका वीडियो पर पोस्ट करके भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- महिला पुलिस का अपमान करते ये भाजपाई किसी महिला का सम्मान क्या करेंगे। गौरीगंज में शनिवार दोपहर करीब एक बजे महिला जन आक्रोश रैली निकाली जा रही थी। इसका नेतृत्व अमेठी के प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा कर रहे थे। इसी दौरान महिलाओं ने विपक्ष का पुतला फूंकने की कोशिश की, जिसे महिला थाना प्रभारी कंचन सिंह रोक रही थीं। इस दौरान बीजेपी कार्यकता विद्यमान तिवारी से उनकी झड़प हुई। विद्यमान ने महिला इंस्पेक्टर को गलत तरीके से पकड़कर पीछे धकेला। उन्हें धक्का दिया। इस दौरान किसी ने भी विद्यामान को रोकने की कोशिश नहीं की। महिला थाना प्रभारी कंचन सिंह ने कहा, जब महिला जनआक्रोश पद यात्रा निकल रही तो वहां मैं अपनी ड्यूटी कर रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा पुतला फूंकने का प्रयास किया जा रहा था। जिसे मैं रोक रही थी। भीड़ बहुत ज्यादा थी।

मजदूर पर गिरा मिट्टी का टीला, जिंदा दफन

14 फीट गहरे गड्ढे में काम कर रहा था, भाई बोला- जेई ने लात मारकर धकेला

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, मिट्टी के टीले में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। वह 14 फीट गहरे गड्ढे में पानी की पाइपलाइन सही कर रहा था। जेसीबी से मिट्टी हटाकर साथियों ने उसे बाहर निकाला। अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें मिट्टी का टीला गिरता दिख रहा है। मजदूर के बड़े भाई ने बताया कि मिट्टी धसक रही थी। मेरे भाई ने गड्ढे में जाने से मना किया था। लेकिन, जेई ने गाली-गलौज कर और लात मारकर उसे जबरन गड्ढे में धकेल दिया। हादसे के बाद जेई मौके से भाग निकला। इसके बाद मजदूर के घरवालों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने पुलिस से शव खींच लिया। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। पुलिस ने कार्रवाई का अश्वासन दिया, तब लोग शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना दोपहर 2 बजे की रेलवे रोड की है।

पानी की पाइप लाइन सही करने उतरा था

अलीगढ़ के जवां में रहने वाला महेंद्र (32) मजदूर था। वह अलीगढ़ में किराए के कमरे में परिवार के साथ रहता था। महेंद्र के परिवार में पत्नी और 2 बच्चे हैं। एक 16 साल का बेटा और 11 साल की बेटी है। रेलवे रोड पर सीवर लाइन डाली गई थी। इस दौरान पानी की पाइपलाइन फट गई थी। जलकल विभाग ने पाइपलाइन ठीक करने के लिए करीब 14 फीट गड्?ढा खोदा था। पाइपलाइन ठीक की जा रही थी महेंद्र के भाई राजकुमार ने बताया- गड्ढा करीब 14 फीट गहरा था।

उसकी मिट्टी ऊपर से दरक रही थी। मैंने जेई नरेंद्र सिंह के हाथ जोड़े। उनसे कहा कि अभी मिट्टी गिर रही है। अभी काम बंद कर दो, हमारी जान को खतरा है। लेकिन, जेई नरेंद्र सिंह नहीं माना। उसने कहा कि कामचोरी मत करो। इसके बाद मेरे भाई महेंद्र को लात मारकर जबरदस्ती गड्ढे के अंदर गिरा दिया। दोपहर करीब 2 बजे मैं, मेरा भाई और एक अन्य मजदूर पाइपलाइन ठीक करने के लिए गड्ढे में उतरे।

किसान के घर में लाखों की चोरी

पीड़ित बोला- तमंचे के बल पर 40 तोला सोना, ढाई किलो चांदी और 3 लाख कैश ले गए

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,एक किसान के घर लाखों रुपये की लूट का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि बदमाश घर में घुसकर उनके बेटे को तमंचे के बल पर बंधक बनाकर 40 तोला सोना, ढाई किलो चांदी और तीन लाख रुपये नकद लूट ले गए। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह पुलिस को दी गई, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना थाना निगोही क्षेत्र के उनखुर्द गांव की है। गांव निवासी कलेक्टर सिंह अपनी दो पत्नियों, दो बेटों और बेटी के साथ रहते हैं। 27 अप्रैल को परिवार के साथ बदायूं में एक रिश्तेदार की शादी में गए थे। उनका एक बेटा घर पर ही रुका हुआ था। आरोप है कि रात में चार से पांच बदमाश घर में घुस आए। जब बेटे की आंख खुली तो उसका सामना बदमाशों से हो गया। उसके टोकने पर बदमाशों ने तुरंत बेटे के माथे पर तमंचा तान दिया और उसे बंधक बना लिया। इसके बाद उन्होंने घर की अलमारियों और अन्य सामान को खंगालना शुरू कर दिया। बेटी की शादी के लिए रखे गए थे पैसेकिसान कलेक्टर सिंह के अनुसार, घर में उनकी दो पत्नियों, दो बहुओं और बेटी के जेवर रखे थे। इसमें लगभग 40 तोला सोना, ढाई किलो चांदी और करीब तीन लाख रुपये नकद शामिल थे। उन्होंने बताया कि यह नकदी हाल ही में सरसों बेचकर मिली थी और बेटी की शादी के लिए बचाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि शादी अभी तय नही की गई लेकिन उसकी व्यवस्था कर रहे थे।वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर की दीवार फांदकर फरार हो गए। बेटे ने तुरंत परिवार को घटना की जानकारी दी। मंगलवार सुबह कलेक्टर सिंह घर लौटे और पुलिस को सूचित किया।

महिलाओं ने स्मार्ट मीटर पर अधिशासी अभियंता का घेराव किया

बढ़ते बिजली बिल और भुगतान समस्याओं पर जताया आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , रानीगंज क्षेत्र में स्मार्ट मीटर को लेकर महिलाओं का आक्रोश सामने आया। भागीपुर गांव की सैकड़ों महिलाएं एकजुट होकर विद्युत वितरण खंड, डिवीजन रानीगंज पहुंचीं और अधिशासी अभियंता का घेराव करते हुए अपनी समस्याएं रखीं।प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल और भुगतान की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। उनका कहना था कि प्रतिदिन मीटर का भुगतान बढ़ता जा रहा है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। महिलाओं ने यह भी शिकायत की कि एडवांस में पैसा जमा करने के बावजूद समय पर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, जिससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उपकेंद्र पर अचानक बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने से बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं विभाग के खिलाफ नारेबाजी करती रहीं और समाधान की मांग करती रहीं। बाद में वे अधिशासी अभियंता राजेंद्र प्रसाद यादव के कार्यालय पहुंचीं और उनका घेराव कर जवाब मांगा। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि स्मार्ट मीटर की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगी। हालांकि, अधिशासी अभियंता महिलाओं के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

छात्रा का शव लटका मिला, पीठ पर दांत के निशान

20 मीटर दूर इनरवियर-चप्पल मिली; प्रतापगढ़ में मां बोली- रेप के बाद हत्या की गई

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , 19 साल की लड़की का शव पेड़ से लटका मिला। शव से 20 मीटर दूर ही अंडरगारमेंट्स और चप्पल बरामद हुए। गांव के ही एक व्यक्ति ने सुबह 7 बजे शव को पेड़ से लटकता देखा। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मां, शव देखकर बिलख पड़ी। मां ने रोते हुए आरोप लगाया- बेटी को दुष्कर्म के बाद बेरहमी से मारा गया है। उसके कपड़े खून से सने हैं। शरीर पर खरोंच और दांत से काटने के निशान हैं। आत्महत्या दिखाने के लिए शव को पेड़ से लटकाया गया है। पुलिस ने परिजनों से घटना के बारे में बात की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, युवती का शव उसके घर से 100 मीटर दूर एक आम के बगीचे में मिला। शरीर पर चोट और दांत के निशान मिले हैं। मामला मानिकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। लड़की की मां ने बताया- रात करीब 2 बजे हम सभी घर पर सो रहे थे। अचानक आंख खुली तो बेटी अपने बिस्तर पर नहीं थी। उसे लगा शायद बाथरूम गई होगी। उसके आने से पहले ही मां फिर सो गई। सुबह जब वह उठी तब भी बेटी घर में कहीं दिखी नहीं। घर वालों से पूछने पर भी कोई पता नहीं। उन्होंने बताया- घरवालों को लगा कि शायद खेत गई हो। इसके सभी घरवाले बेफिक्र होकर अपने अपने कामों में लग गए। सुबह करीब 7 बजे गांव के ही रहने वाले एक आदमी ने फोन कर बताया कि तुम्हारी बेटी का शव बाग में पेड़ से लटक रहा है। वह नंगे पैर ही भागते हुए घटनास्थल पर पहुंची। देखा तो बेटी का शव पेड़ से लटक रहा था। वह चीख-चीख कर रोने लगी। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। लड़की की मां ने आरोप लगाया कि किसी ने उसकी बेटी को घर से बहला-फुसलाकर बुलाया। दुष्कर्म के बाद मार डाला।

संक्षेप

जर्जर बिजली पोल से करंट, पशुओं की मौत

स्थानीय लोगों ने 24 घंटे में लाइन शिफ्ट करने की मांग की

बागपत ,वार्ड 17 में उस्माने गनी मस्जिद के पीछे बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। यहां लगा एक जर्जर लोहे का बिजली पोल काफी समय से झुका हुआ है और उसमें लगातार करंट उतरने की समस्या बनी हुई है। यह स्थिति घनी आबादी वाले क्षेत्र और मस्जिद के पास होने के कारण बड़े हादसे का कारण बन सकती है, जहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। क्षेत्रीय निवासियों के अनुसार, बिजली विभाग ने समस्या को देखते हुए पास में एक नया सीमेंटेड पोल तो लगा दिया है। हालांकि, कई महीने बीत जाने के बाद भी पुरानी लाइन को नए पोल पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। लोगों का आरोप है कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों और स्थानीय जेई को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस लापरवाही के कारण अब तक 3-4 कुत्तों और 2 भैंसों की करंट लगने से मौत हो चुकी है। इस घटना से क्षेत्र में डर और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय निवासी इस गंभीर स्थिति को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि 24 घंटे के भीतर इस झुके हुए पोल से बिजली लाइन हटाकर नए सीमेंटेड पोल पर शिफ्ट की जाए। साथ ही, जर्जर तारों को भी तुरंत बदला जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई और कोई जनहानि होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी और इसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर पर बागपत में दौड़ रहे प्रतिबंधित वाहन

सुरक्षा नियमों का उल्लंघन, प्रतिबंधित वाहन चालक जान जोखिम में डाल रहे

बागपत , दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर पर प्रतिबंधित वाहनों का इस्तेमाल लगातार जारी है। नियमों के उल्लंघन के बावजूद, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर और तिपहिया वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालकर इस एलिवेटेड रोड पर यात्रा कर रहे हैं। इन वाहनों की तेज रफ्तार और सुरक्षा को देखते हुए कॉरिडोर पर इनके संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह स्थिति विशेष रूप से बागपत के मवीकलां से दिल्ली की ओर जाने वाले क्षेत्र में देखी जा रही है। कॉरिडोर पर मोटरसाइकिलें बड़ी संख्या में दौड़ती नजर आ रही हैं, जबकि इन पर प्रतिबंध है। जल्दबाजी के चक्कर में कई वाहन चालक एलिवेटेड रोड पर प्रतिबंधित वाहन चला रहे हैं। दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर पर प्रतिबंधित वाहनों के इस्तेमाल पर 20,000 रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। इसके बावजूद, नियमों का उल्लंघन जारी है और प्रतिबंधित वाहन धड़ल्ले से दौड़ते देखे जा सकते हैं।

पल्लवपुरम थाने का एसओ लाइन हाजिर

इसी थाने से रिश्वत लेते दरोगा हुआ था अरेस्ट, एंटी करप्शन की टीम ले गई थी

मेरठ , पल्लवपुरम थाने के एसओ महेश कुमार को एसएसपी ने लाइन हाजिर कर दिया है। देर रात एसएसपी अविनाश पांडेय ने यह एक्शन लिया है। थाने के एसओ महेश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। बता दें कि इसी थाने से शनिवार को 2023 बैच के दरोगा छत्रपाल को एंटी करप्शन की टीम ने थाने की तीसरी मंजिल से अरेस्ट किया था।

जगदंबा बालिका महाविद्यालय में संपन्न हुआ मेधा अलंकरण समारोह

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्षा साध्वी निरंजन ज्योति ने कौशल विकास केंद्र का किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार / समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत श्री जगदंबा बालिका महाविद्यालय मऊदेव में बच्चों का प्रतिभा अलंकरण समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी श्यामलाल निषाद तथा संचालन परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुलखेड़ा के शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची देश की राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्षा एवं जहानाबाद विधानसभा के पूर्व विधायक आदित्य पाण्डेय का आयोजक समिति ने माल्यार्पण अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए भव्य स्वागत किया श्री जगदंबा बालिका महाविद्यालय एवं इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्री नारायण तिवारी की अगुवाई में आयोजित मेधा अलंकरण समारोह अंतर्गत पहुंची मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन करते हुए मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया वहीं विद्यालय परिसर में संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने फीता काट कर किया मंच के माध्यम से मुख्य अतिथियों ने हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट कक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले लगभग आधा सैकड़ा मेधावी बच्चों को माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए उत्साह वर्धन किया अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने बेटियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि सभी बेटियों को देश की महान विभूति महारानी लक्ष्मीबाई कर्नल सूफिया कुरेशी विंग कमांडर व्योमिका सिंह तथा देश की वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आदि के मार्गदर्शन पर चलते हुए उन्नति के उच्च शिखर को स्पर्श करना होगा जिसके लिए कड़ी मेहनत और स्वयं की प्रतिभा को निखारने हेतु बेटियों को विशेष आत्म बल मजबूत रखना होगा वही मंच पर विराजमान पूर्व विधायक आदित्य पाण्डेय ने भी विद्यालय की छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी मुख्य अतिथि समेत पूर्व विधायक तथा विद्यालय के प्रबंधक श्रीनारायण तिवारी आदि ने मिलकर सभी बच्चों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया वहीं विद्यालय परिसर में मौजूद विद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम के शुभारंभ में सरस्वती वंदना स्वागत गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथियों समेत समूचे जन समुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया कार्यक्रम समापन में पहुंचे जहानाबाद विधानसभा के वर्तमान विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने भी विद्यालय के सभी होना हर छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी इस मौके पर विद्यालय प्रांगण अंतर्गत ममता तिवारी संगीता दीक्षा राधा सुमित गोविंद मृदुल मुदित विनीत तिवारी तथा पुनीत तिवारी समेत सभी आयोजक परिवार ने आए हुए सभी अतिथियों का भव्य स्वागत करते हुए सादर आभार व्यक्त किया कार्यक्रम अंतर्गत पहुंचे क्षेत्राधिकारी जाफरगंज बृजमोहन राय का भी विद्यालय परिवार ने स्वागत किया इस मौके पर अमौली मंडल अध्यक्ष देवेंद्र अवस्थी महामंत्री शिवा गुप्ता जिला उपाध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा समेत भारी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण अभिभावक गण मौजूद रहे

इंस्टाग्राम से हुआ प्यार, टावर पर चढ़ी लड़की

शादी की जिद पर अड़ी, 3 घंटे चला हाई-वोल्टेज ड्रामा; पुलिस-परिजनों ने समझाया तब उतरी

अमन लेखनी समाचार

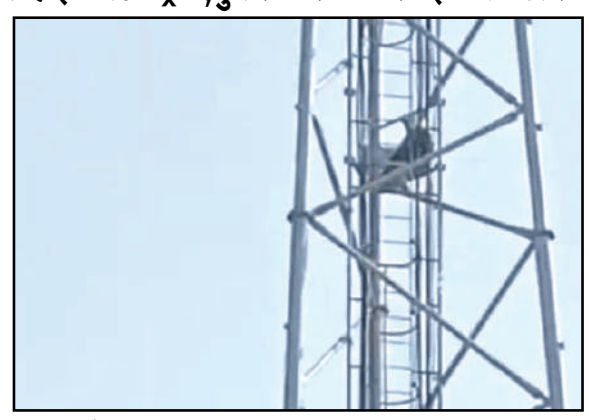

प्रयागराज , फूलपुर में युवक से शादी की जिद को लेकर एक युवती टावर पर चढ़ गई। इलाके की ही कक्षा 11 की एक किशोरी अपने प्रेमी से शादी की जिद को लेकर टावर पर जा चढ़ी। जिसके बाद तीन घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई ।बताया जा रहा है कि दोनों की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए शुरू हुई, जिसके बाद प्यार में बदल गई। लड़की ने शादी की जिद की तो लड़का मुकर गया। इसके बाद लड़की सोमवार दोपहर को वह एक टॉवर पर चढ़ गयी। घटना फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के बगदहा हवासाबाद गांव के पास की है। जानकारी के अनुसार, करीब सात महीने पहले किशोरी की पहचान क्षेत्र के ही एक युवक से इंस्टाग्राम पर हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे बढ़ी और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। किशोरी का आरोप है कि युवक ने उससे शादी का वादा किया था, लेकिन अब वह मुकर रहा है। सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे किशोरी साइकिल से टावर के पास पहुंची और अचानक उस पर चढ़ गई। टावर पर चढ़ी किशोरी को देख गांव में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद महिलाओं ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम, समाजसेवी और परिजन मौके पर पहुंचे और किशोरी को नीचे उतारने के लिए समझाने का प्रयास करने लगे। करीब तीन घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आखिरकार शाम करीब साढ़े पांच बजे परिजनों के समझाने पर किशोरी टावर से नीचे उतर आई। इसके बाद पुलिस उसे एंबुलेंस से कोतवाली ले गई। बताया जा रहा है कि युवक ने किशोरी को पहचानने से भी इनकार किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

पुरानी रंजिश में युवक को गोली मारी

खेत पर जाते समय दिनदहाड़े मारी दो गोली, हालत नाजुक

उनके साथियों ने उन पर ताबड़तोड़

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , दौराला थाना क्षेत्र के लोहिया गांव में शाम पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को दिनदहाड़े गोली मार दी गई। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है पुलिस के अनुसार, लोहिया गांव निवासी वासी रिजवी पुत्र शमीम अहमद का गांव के ही शामिक पुत्र रियासत से लंबे समय से विवाद चल रहा था। करीब एक महीने पहले शामिक के भाई आमिर और वासी के बेटों के बीच क्रिकेट खेलने को लेकर कहासुनी हुई थी, जिससे दोनों पक्षों के बीच रंजिश और बढ़ गई। शाम करीब 5 बजे वासी रिजवी बड़ी मस्जिद के रास्ते अपने खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे शामिक, आमिर और फायरिंग कर दी। हमलावरों ने 5 से 6 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से दो गोलियां वासी को लगीं–एक पेट में और दूसरी कूल्हे में। गोली लगने से वह मौके पर ही गिर पड़े। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दौराला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल वासी रिजवी को आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ।

गर्मी और लू से प्रभावित हुआ जन जीवन

44 डिग्री तक पहुंच रहा तापमान, अस्पतालों में बढ़ रहे मरीज

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सुबह से ही भीषण गर्मी और लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। दिन की शुरूआत होते ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 41त्ड से 44त्ड तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। आसमान पूरी तरह साफ है और हवा में नमी का स्तर केवल 10 से 15 प्रतिशत के बीच रहने से गर्मी और अधिक चुभन भरी महसूस हो रही है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला, लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। शाम के समय हल्की राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन गर्मी का असर बना रहेगा।

लगातार बढ़ेगी गर्मी

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में इसी प्रकार बढ़ोतरी होती रहेगी। पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से यदि बारिश होती है तब भी उस से ज्यादा समय तक लोगों को राहत नहीं मिलेगी। तापमान में फिर से सी प्रकार से बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही लू भी इसी प्रकार लोगों को परेशानी करेगी। अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या तेज गर्मी और लू के कारण शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और चक्कर आने की शिकायत लेकर लोग पहुंच रहे हैं। सांस और एलर्जी के मरीज भी बढ़े हैं, जिसकी एक वजह खराब वायु गुणवत्ता मानी जा रही है। इस बढ़ती गर्मी में बुजुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं ठंडे पेय पदार्थों की मांग में उछाल भीषण गर्मी के चलते शहर में कोल्डड्रिंक, जूस, लस्सी और अन्य ठंडे पेय पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ गई है। बाजारों में कोल्डड्रिंक और पानी की बोतलों की बिक्री बढ़ी है। इसके साथ ही गन्ने का रस, शिकंजी और ठंडाई के ठेलों पर भी सुबह से ही भीड़ देखी जा रही है।

शादाब जकाती पर मेरठ में एक और मुकदमा

जकाती ज्वैलर्स की ओपनिंग पर बिना अनुमति निकाला रोड शो

अमन लेखनी समाचार

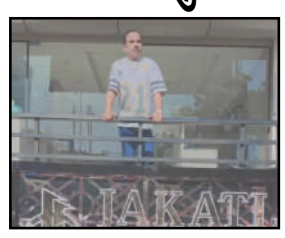

मेरठ ,10 रुपए का बिस्कुट कितने का है जी फेम सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शादाब जकाती पर बिना अनुमति रोड शो निकालने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। शादाब जकाती ने 26 अप्रैल को मेरठ में जकाती ज्वैलर्स नाम से अपना ज्वैलरी शोरूम शुरू किया है। इसी शोरूम की ओपनिंग के मौके पर शादाब जकाती ने बिना अनुमति रोड शो निकाला। इसमें काफी भीड़ इकट्ठी हो गई। जिसके चलते सड़क पर अफरा-तफरी मचने वाले हालात हो गए। अचानक मौके पर हालात बिगड़ गए। इसके बाद सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले भीड़ को हटाकर रास्ता क्लियर कराया। इसके बाद जांच में पता चला कि शादाब जकाती की तरफ से बिना अनुमति इस रोड शो को निकाला जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने शादाब जकाती के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह ज्वैलरी शोरूम ब्रैंड स्कवायर कांप्लेक्स हापुड़ रोड में खोला गया है।

कौन हैं शादाब जकाती?

शादाब उत्तर प्रदेश के मेरठ के इंचौली क्षेत्र के रहने वाले हैं। क्रिकेट के शौकीन हैं। सऊदी अरब में बतौर ड्राइवर काम कर चुके हैं। वहीं से वीडियो बनाने की शुरूआत की थी। शादाब का एक वीडियो '10 वाला बिस्कुट का पैकेट कितने का है जी...' हिट हो चुका है। इसे करोड़ों लोग देख चुके हैं। रैप सिंगर बादशाह, क्रिकेटर रिंकू सिंह और कुलदीप यादव समेत कई सेलिब्रिटीज इस वीडियो को कॉपी कर चुके हैं। शादाब जकाती क्रिकेट के शौकीन हैं। पहले सऊदी अरब में ड्राइवर के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं से वीडियो बनाने की शुरूआत की थी।

हत्यारे सलीम की कहानी- 'खान' हटाकर नाम में 'वास्तिक' जोड़ा

कारपेंटर बना, महिलाओं के कपड़े बेचे; 26 साल बाद गाजियाबाद से अरेस्ट

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , यूपी के गाजियाबाद में रहने वाला सलीम वास्तिक उर्फ सलीम खान न सिर्फ हत्यारा है, बल्कि उसकी हकीकत भी बेहद डरावनी है। फरवरी में 2 कट्टरपंथी भाइयों ने जब का गला रेता तो उसने काफी सुर्खियां और सहानुभूति बटोरी। सीएम योगी ने एक्शन लिया, एनकाउंटर में दोनों हमलावर मार गिराए गए। पुलिस ने सुरक्षा दी। लेकिन शनिवार को जब दिल्ली पुलिस ने सलीम वास्तिक को गिरफ्तार किया तो उसका वास्तविक चेहरा सामने आ गया। सलीम अपहरण और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा होने के बाद 26 साल तक दिल्ली पुलिस की आंखों में धूल झोंकता रहा। जिस मुस्लिम धर्म में उसका जन्म हुआ, उसे भी छोड़ दिया। नाम से खान हटाकर वास्तिक जोड़ा। हरियाणा के करनाल में कारपेंटर बना तो मेरठ और गाजियाबाद में महिलाओं के कपड़े बेचे। पढ़िए कातिल सलीम वास्तिक की कारपेंटर बनने से लेकर महिलाओं के कपड़े बेचने तक की कहानी संदीप शाम के 7 बजे भी घर नहीं पहुंचा, इससे परिवार चिंतित हो गया। संदीप की मां और उसके पिता ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। अगले दिन 21 जनवरी, 1995 को पिता की दुकान पर पीसीओ से एक कॉल आई।

कॉल करने वाले ने फोन उठाते ही कहा, ह्यतुम्हारा बेटा संदीप हमारे कब्जे में है और एक घंटे बाद कॉल करेंगे ।ह्व यह सुनते ही संदीप के पिता सीताराम के होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। दिल्ली के गोकलपुरी थाने में 21 जनवरी को ही अपहरण का केस दर्ज किया गया।

बेटा चाहिए तो 30 हजार का इंतजाम करो

सलीम ने 21 जनवरी को ही छात्र के पिता को दोबारा कॉल करके कहा, ह्ययदि बेटा चाहिए तो 30 हजार दो। यह पैसे गाजियाबाद के लोनी फ्लाईओवर के पास बस अड्डे पर शाम साढ़े 4 बजे पहुंचाने होंगे। पैसे ऐसी बस में रखने होंगे, जो यूपी के बागपत जिले में जा रही हो। अगर पुलिस को बताने का प्रयास किया तो तुम्हारे बेटे को मौत के घाट उतार देंगे।' यह सुनते ही संदीप के कारोबारी पिता सहम गए। पड़ोसी ने बताया मास्टरजी को रिक्शे में जाते देखा पुलिस बच्चे की बरामदगी के लिए लग गई।

तहखाने में चलती मिली अवैध हथियारों की फैक्ट्री, 11 गिरफ्तार

किराए का घर, 35 से 65 हजार में बेचते थे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,लोहियानगर पुलिस और स्वाट टीम ने तहखाना में चल रही अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह तहखाना इस तरह से तैयार किया गया था कि किसी को शक भी ना हो। इस मामले में 11 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि 10 अभी फरार हैं। मौके से भारी मात्रा में बने और अधबने हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अभी तक किन-किन लोगों को इनके द्वारा यह असलेह बेचे गए हैं।आईए जानते हैं क्या है पूरा मामला पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने बताया कि लोहियानगर पुलिस को कुछ समय पहले एक सूचना मिली कि ग्राम अल्लीपुर में कब्रिस्तान के पास अवैध असलहा फैक्ट्री का संचालन हो रहा है। पुलिस के साथ स्वाट टीम को भी लगा दिया गया। पुलिस ने जल्द वह घर भी चिन्हित कर लिया और वहां दबिश डाली। डबल बेड के नीचे बना था तहखाना मकान पर दबिश के दौरान पुलिस को सब कुछ सामान्य मिला लेकिन सूचना ठोस थी। बाहर मौजूद कुछ वाहन गड़बड़ी का इशारा कर रहे थे। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन कोई क्लू हाथ नहीं लगा। कई घंटे की मशक्कत के बाद आखिरकार पुलिस ने तहखाना ढूंढ निकाला जो घर के अंदर मौजूद डबल बेड के नीचे बनाया हुआ था। रहीमुद्दीन के इशारे पर चल रहा था काम स्वाट टीम ने इस मामले में सबसे पहले लिसाड़ीगेट इस्लामाबाद तंबाकू गोदाम वाली गली निवासी असलम पुत्र शरीफ को दबोचा। उसी ने पूछताछ में खुलासा किया कि रहीमुद्दीन पुत्र सद्दीक निवासी अल्लीपुर फैक्ट्री का संचालक है। यह भी बताया कि वह खतौली निवासी उमर, उमर के साले इरफान को साथ लेकर किराए पर रहने वाले नदीम के घर में फैक्ट्री चला रहा है ।रहीमुद्दीन उपलब्ध कराता है कच्चा माल पुलिस ने छानबीन तेज कर दी। जल्द ही साफ हो गया कि रहीमुद्दीन ही सूत्रधार है। वह ही अलग-अलग स्थान से हथियार में प्रयुक्त होने वाला सामान जुटा कर इन लोगों को उपलब्ध कराता था। इन्हीं की मदद से पिस्तौल तैयार की जाती थी। पिस्टल तैयार होने के बाद ग्राहक बुलाए जाते थे जो खुद भी पिस्टल खरीदते थे और दूसरों को भी खरीदवाते थे। इसके बाद मुनाफा बांट लेते थे ।आरोपियों को रंगे हाथ किया गया गिरफ्तार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने बताया कि स्वाट टीम प्रभारी अखिलेश कुमार गौड़ आरोपियों की तलाश में जुटे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग हथियार खरीदने आने वाले हैं।

लेंसकार्ट के शोरूम में हुई मारपीट

नोएडा में धार्मिक विवाद पर बहस के बाद ग्राहक ने कर्मचारी को पीटा

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र में स्थित लेंसकार्ट के एक शोरूम में ग्राहक और कर्मचारी के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। यह घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 23 अप्रैल 2026 की शाम को हुई। शोरूम के कर्मचारी सूरज की एक ग्राहक से कंपनी से जुड़े कथित धार्मिक अफवाहों को लेकर बहस हो गई। बहस जल्द ही बढ़ गई। विवाद बढ़ने पर ग्राहक ने गाली-गलौज करते हुए कर्मचारी सूरज के साथ हाथापाई शुरू कर दी। शोरूम में मौजूद अन्य कर्मचारियों और आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया।

हॉस्टल की 12वीं मंजिल पर लगी आग

लपटों से मची अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र स्थित स्टेंजा लिविंग हॉस्टल की 12वीं मंजिल पर मंगलवार शाम आग लग गई। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई ।यह आग हॉस्टल की 12वीं मंजिल पर स्थित एक कमरे की बालकनी में लगी थी। बताया जा रहा है कि बालकनी में कुछ सामान पड़ा था, जिसमें अचानक आग लग गई। इस फ्लोर पर हॉस्टल के कुछ कर्मचारी रहते हैं। आग तेजी से फैली, जिससे हॉस्टल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, हॉस्टल कर्मचारियों और अन्य लोगों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था ।हॉस्टल में विभिन्न कॉलेजों के छात्र और कर्मचारी रहते हैं। ऊपरी मंजिलों पर अधिकतर कर्मचारी ही निवास करते हैं। इस घटना में किसी के हताहत न होने से बड़ी दुर्घटना टल गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 12वीं मंजिल की बालकनी में लगी आग को हॉस्टल के लोगों ने खुद ही बुझा लिया था। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

35 लाख की अवैध शराब बरामद

फर्जी बिल्टी से 237 पेटी शराब की तस्करी, पुलिस ने एक अंतरराज्यीय तस्कर अरेस्ट किया

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा की थाना नॉलेज पार्क पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हरियाणा मार्का की 237 पेटियां शराब बरामद की हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये बताई जा रही है गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के बाड़मेर निवासी लाखाराम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, लाखाराम हरियाणा से सस्ते दामों पर शराब खरीदकर उसे अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए तस्करी कर रहा था। आरोपी ने पुलिस और आरटीओ की चेकिंग से बचने के लिए ट्रक में स्पेयर पार्ट्स की फर्जी बिल्टी और बिल तैयार कर रखे थे। वह इस फजीर्वाड़े के जरिए शराब को बिक्री के लिए दूसरे राज्यों में ले जाता था। डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। नॉलेज पार्क पुलिस ने तस्कर लाखाराम के खिलाफ उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव-विभोर हुए श्रोता

हजारा भरकर निकली शिवजी की शोभायात्रा

अमन लेखनी समाचार

ककरबई (झांसी)। ग्राम कचीर में बस स्टैंड के समीप आयोजित श्री श्री 1008 श्रीराम महायज्ञ, श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रातःकाल यज्ञाचार्य पंडित संजय मिश्रा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर यज्ञ वेदी में आहुतियां डलवाईं, वहीं श्रद्धालुओं ने यज्ञवेदी की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान शिव का सहस्त्रधारा स्नान (हजारा) कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर शिव परिवार का जलाभिषेक किया। इसके उपरांत पूरे गांव में भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथाव्यास पंडित सत्येंद्र मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए भगवान समय-समय पर अवतार लेते हैं और अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। कथा के समापन पर कथा परीक्षित श्रीमती कमलेश -पूरनलाल यादव ने भागवत महापुराण की आरती उतारी। यज्ञ में पुरोहित पं. अमित तिवारी, वेदी पीठ पर पं. अभय पांडेय, पं. अशोक शुक्ला एवं पं. आशीष मिश्रा द्वारा विधिवत पूजन संपन्न कराया जा रहा है। संगीतमय कथा में मनोज तिवारी ने पैड, शिवम तिवारी ने ऑर्गन तथा अंकेश प्रजापति ने बांसुरी/नाल पर संगत दी। इस अवसर पर प्रमोद यादव, दिनेश तिवारी, हेमंत यादव, प्रभात, कमलेश पांचाल, रामवीर, देवी विश्वकर्मा, प्रदीप लला, ब्रजकिशोर, हरिचंद्र, गब्बर परिहार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बीजपुर की साइबर टीम की त्वरित कार्यवाही- पीड़ित को वापस कराए 25,000/- रुपये

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल नेतृत्व में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना बीजपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आवेदक गुरूचरन सिंह निवासी एनटीपीसी कॉलोनी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा 25,000/- की साइबर ठगी की गई थी। उक्त संबंध में पीड़ित द्वारा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर एवं ठउफढ पोर्टल पर शिकायत पंजीकृत कराई गई थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना बीजपुर की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर धोखाधड़ी की गई धनराशि को होल्ड कराया गया। तत्पश्चात विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आवेदक की संपूर्ण राशि 25,000/- रुपये सफलतापूर्वक पीड़ित के मूल बैंक खाते में वापस कराए गए।

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण आज, पश्चिम से पूर्व तक विकास की नई रफ्तार

अमन लेखनी समाचार/देवेंद्र सिंह बब्लू

प्रयागराज/मेरठः देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में शामिल गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन बुधवार को सुबह करीब 11:30 बजे प्रधानमंत्री करेंगे। मेरठ से शुरू होकर प्रयागराज तक जाने वाला यह महत्वाकांक्षी एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को सीधे जोड़ते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था, उद्योग, कृषि और परिवहन व्यवस्था को गति देगा।

इन जिलों को मिलेगा सीधा लाभ

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से शुरू होकर हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज तक पहुंचेगा। इस मार्ग के जरिए इन जिलों के बीच आवागमन बेहद आसान और तेज हो जाएगा, जिससे क्षेत्रीय असमानता भी कम होने की उम्मीद है।

समय, दूरी और लागत में भारी कमी

एक्सप्रेसवे के चालू होने के बाद मेरठ से प्रयागराज की यात्रा, जो पहले 10-12 घंटे में पूरी होती थी, अब लगभग 6-7 घंटे में पूरी की जा सकेगी। इससे न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन खर्च और परिवहन लागत में भी कमी आएगी।

उद्योग, निवेश और रोजगार को बढ़ावा

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक कॉरिडोर, वेयरहाउस, लॉजिस्टिक पार्क और मंडियों के विकास की योजना है। इससे स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। कृषि उत्पादों को बाजार तक तेजी से पहुंचाने में भी यह एक्सप्रेसवे अहम भूमिका निभाएगा।

आपातकालीन सुविधाओं से लैस आधुनिक एक्सप्रेसवे

यह एक्सप्रेसवे अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिसमें इमरजेंसी एयरस्ट्रिप, एम्बुलेंस सेवाएं, पेट्रोल पंप, फूड प्लाजा और सुरक्षा व्यवस्था शामिल हैं। किसी भी आपात स्थिति में वायुसेना के विमानों की लैंडिंग भी यहां संभव होगी।

पर्यटन और धार्मिक महत्व को भी बढ़ावा

प्रयागराज जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल से जुड़ने के कारण इस एक्सप्रेसवे से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। कांवड़ यात्रा, कुंभ और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रदेश के विकास का गंगा पथ

गंगा एक्सप्रेसवे को उत्तर प्रदेश के विकास का गंगा पथ कहा जा रहा है। यह न सिर्फ प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने का काम करेगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति देगा। उद्घाटन के साथ ही यह परियोजना प्रदेश के बुनियादी ढांचे को एक नई पहचान देने जा रही है।

खास समाचार

शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय पहल, मेधावी छात्रों को मिलेगा निःशुल्क शिक्षा का अवसर

शाहाबाद (हरदोई): नगर स्थित एस.डी. जनता इंटर कॉलेज में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रबंधक सत्यवीर शुक्ला ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में हाईस्कूल में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कॉलेज में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर एवं अनाथ छात्रों की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी संस्थान द्वारा उठाई जाएगी। प्रबंधक ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और सर्वांगीण शिक्षा को बढ़ावा देना है, ताकि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मान, विद्यालयों में खुशी का माहौल

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज (हरदोई): श्री नरपत सिंह इंटर कॉलेज में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। हाईस्कूल में सिमरन ने 524 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा आकाश कुमार (519), अरविंद कुमार (517), शेर सिंह (513) और आदित्य वर्मा (502) सहित अन्य छात्रों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट में अतुल पाल ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पियूष त्रिवेदी, राजीव, रिया और अन्य विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शिक्षकों ने छात्रों का मुंह मीठा कराकर उनकी सफलता का उत्सव मनाया।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

व्यापारिक संगठनों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने व्यापारी बंधुओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक विकास, भूमि उपलब्धता तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) के विकास हेतु शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि इंडस्ट्रियल एरिया स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, इसके साथ ही संबंधित उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए गए कि वे संभावित भूमि का सर्वे कर ऐसी जमीन चिन्हित करें जो शहरी क्षेत्र के आसपास स्थित हो, ताकि उद्योगों को बेहतर परिवहन, संसाधन एवं बाजार की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास जनपद की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा, इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस मौके पर उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा, प्रशान्त जैन नगर अध्यक्ष, राजेश जायसवाल जिला उपाध्यक्ष, नरेन्द्र मोदनवाल जिला उपाध्यक्ष, धीरेन्द्र जा जायसवाल जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, कृष्णा सोनी, राजेश गुप्ता जिलाध्यक्ष उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

प्रेस क्लब बीजपुर द्वारा हँसमुख व कर्मठ उपनिरीक्षक श्रवण यादव को दी गई भावभीनी विदाई

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) स्थानीय थाने में तैनात अपने सरल, हंसमुख और कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले उपनिरीक्षक श्रवण यादव का घोरावल स्थानांतरण होने पर सोमवार को थाना परिसर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब बीजपुर, स्थानीय व्यापारी, समाजसेवी एवं थाना स्टाफ ने उन्हें अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए नम आंखों से विदाई दिया। विदाई समारोह भावुकता से भरा रहा, जहां उपस्थित लोगों ने उनके सौम्य व्यवहार और उत्कृष्ट कार्यशैली को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रेस क्लब बीजपुर के पदाधिकारी विनोद गुप्ता, रामप्रवेश गुप्ता, विजय सोनी, विशाल गुप्ता एवं नीरज गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल की सराहना किया। ज्ञात हो कि मूल रूप से जनपद आजमगढ़ के थाना जीयनपुर अंतर्गत ग्राम नत्थूपुर निवासी श्रवण कुमार यादव ने 28 नवंबर 2023 को बीजपुर थाने में उपनिरीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। अपने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता, मिलनसार व्यक्तित्व और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशीलता के बल पर क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई। आमजन से सहज संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी तत्परता ने उन्हें हर वर्ग का प्रिय बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि उपनिरीक्षक श्रवण यादव का कार्यकाल बीजपुर थाने के लिए अत्यंत सहयोगपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण नौकरी का एक स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन उनका योगदान यहां की जनता और पुलिस विभाग के लिए स्मरणीय रहेगा। वरिष्ठ पत्रकार विनोद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग में ऐसे सरल और संवेदनशील अधिकारी कम ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में हर वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुना और यथासंभव समाधान किया, यही कारण है कि आज उनकी विदाई के समय सभी की आंखें नम हैं। इस दौरान थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक कमलाकांत पांडेय, प्रेस क्लब बीजपुर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, स्थानीय व्यापारी, समाजसेवी तथा समस्त थाना स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना किया।

राप्ती इको पार्क की व्यवस्था सुधारने को लेकर नगर आयुक्त की बैठक, सफाई व सुरक्षा के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। राप्ती इको पार्क (एकला बांधा) की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर आयुक्त द्वारा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में इको पार्क में 10 सफाई कर्मचारियों की स्थायी ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया गया। साथ ही मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से एकला बांधा रोड की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। अतिक्रमण पर सख्ती बरतते हुए प्रवर्तन दल को इको पार्क गेट के आसपास से अतिक्रमण हटाने और पार्क के अंदर भी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मुख्य अभियंता को पार्क के अंदर अनावश्यक प्रवेश रोकने के लिए सभी अतिरिक्त रास्तों को बंद करने तथा एकला बांधा रोड पर दोनों ओर हाइट बैरियर लगाने को कहा गया। सुरक्षा के मद्देनजर इको पार्क और आसपास की सड़कों को सीसीटीवी कैमरों से लैस करने के निर्देश भी दिए गए। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पार्क में समय-सारिणी (टाइमिंग) का बोर्ड लगाने और आगंतुकों को पार्क की संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने के लिए जागरूक करने पर भी जोर दिया गया।

मौसम परिवर्तन की संभावना, आंधी-बारिश, वज्रपात एवं तेज हवाओं को लेकर प्रशासन सतर्क

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2026 को जारी प्रभाव आधारित मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार जनपद सोनभद्र सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आगामी दिनों के दौरान मौसम में बदलाव होने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 29 अप्रैल से 01 मई 2026 तक जनपद सोनभद्र में कहीं-कहीं मेघगर्जन, वज्रपात, झोंकेदार तेज हवाएं (40 से 50 किमी प्रति घंटा) तथा हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार इस अवधि में अचानक मौसम परिवर्तन, तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश एवं आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जनजीवन, यातायात, विद्युत आपूर्ति, कृषि कार्य एवं खुले क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त वर्तमान समय में तापमान में वृद्धि के कारण प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में उष्ण लहर (लू) एवं गर्म रात्रि की स्थिति भी बनी हुई है। ऐसे में दिन के समय अत्यधिक गर्मी एवं शाम/रात्रि के समय अचानक मौसम परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियां

अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनभद्र के निदेशानुसार समस्त तहसील स्तरीय अधिकारियों, नगर निकायों, विद्युत विभाग स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग एवं राजस्व विभाग को सतर्क रहने तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। आपदा कंट्रोल रूम को सक्रिय रखा गया है। विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित मरम्मत हेतु टीमों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को हीट स्ट्रोक, आकाशीय बिजली एवं दुर्घटना संबंधी उपचार हेतु अलर्ट रहने को कहा गया है। राजस्व एवं राहत टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों पर निगरानी हेतु निर्देशित किया गया है। ग्राम पंचायत एवं नगर निकाय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसामान्य हेतु सावधानियां

आंधी, बारिश एवं वज्रपात के दौरान

गरज-चमक के समय घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर रहें।

पेड़, बिजली के खंभे, टिन शेड, कमजोर दीवार एवं खुले मैदान से दूर रहें।

मोबाइल चार्जिंग, विद्युत उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें।

खेत, नदी, तालाब एवं जलाशयों से तत्काल बाहर निकल जाएं।

तेज हवा के समय वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं।

लू एवं गर्मी से बचाव हेतु

दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक बाहर निकलने से बचें।

पर्याप्त मात्रा में पानी, डफर, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनें।

बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें।

खुले स्थान पर कार्यरत श्रमिक नियमित अंतराल पर विश्राम लें।

किसानों हेतु सलाह

तेज हवा एवं बारिश की संभावना को देखते हुए कटाई/मड़ाई कार्य सावधानीपूर्वक करें।

शाहाबाद तहसील में प्राइवेट राज का आरोप, अधिवक्ताओं का फूटा गुस्सा

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई): तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए अधिवक्ताओं ने भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। बार सभागार में आयोजित बैठक में अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि तहसील में सरकारी व्यवस्था पर ह्लप्राइवेट कर्मचारियोंह्व का कब्जा हो गया है और बिना सेटिंग कोई कार्य संभव नहीं है। अधिवक्ताओं ने विशेष रूप से उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय को निशाने पर लेते हुए कहा कि यहां भ्रष्टाचार चरम पर है। एसडीएम न्यायिक एवं तहसीलदार न्यायालय में भी प्राइवेट कर्मचारियों की दखलंदाजी और अवैध लेन-देन की शिकायतें आम हो गई हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

सीमांकन में गड़बड़ी, राजस्व तंत्र कटघरे में

भूमि सीमांकन और कब्जे के मामलों में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि राजस्व निरीक्षक मनमानी कर रहे हैं। फाइलों को लंबित रखना, रिपोर्ट में बदलाव करना और पक्ष विशेष को लाभ पहुंचाना आम बात हो गई है। शिकायतों के बावजूद अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

भू-माफियाओं का दबदबा, अवैध प्लॉटिंग का विस्तार

तहसील क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग तेजी से बढ़ रही है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि नगरपालिका और तहसील स्तर के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। कई गांवों में सरकारी, वक्फ, तालाब, चारागाह और विद्यालय की भूमि तक पर कब्जे की शिकायतें सामने आई हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही।

विकास योजनाएं भी प्रभावित

प्रस्तावित महिला महाविद्यालय और रोडवेज बस अड्डा जैसी योजनाएं भी भूमि विवाद और गलत पैमाइश के चलते अटकी हुई हैं। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि जब तक सही सीमांकन और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं होगी, तब तक विकास कार्य कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

आंदोलन की चेतावनी

अधिवक्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो तहसील से लेकर जिला मुख्यालय तक व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उनका कहना है कि प्रशासन की उदासीनता से पूरे सिस्टम की साख पर आंच आ रही है।

केबल बॉक्स की कमी से बिजली व्यवस्था प्रभावित, चेयरमैन ने लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र। नगर पंचायत चोपन के अध्यक्ष उस्मान अली ने विद्युत विभाग को पत्र भेजकर नगर में केबल बॉक्स की कमी से उत्पन्न हो रही बिजली समस्या को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के चलते बिजली की मांग बढ़ गई है, जिसके कारण कई स्थानों पर केबल बॉक्स जल जाने की घटनाएं हो रही हैं। ऐसी स्थिति में मरम्मत में 7झ8 घंटे तक का समय लग जाता है, जिससे पूरे नगर की विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष ने पत्र में स्पष्ट किया कि यदि प्रत्येक संवेदनशील स्थान पर अतिरिक्त केबल बॉक्स की व्यवस्था कर दी जाए तो खराबी आने पर तुरंत दूसरा बॉक्स लगाकर आपूर्ति बहाल की जा सकती है। इसके लिए डाला झूलन ताली, डाला मस्जिद के सामने, वैष्णो मंदिर के पद, बग्घा नाला डी0डी0 गुप्ता टंकी के पास, चोपन कैलाश मंदिर तथा रेलवे केबिन जैसे प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त केबल बॉक्स उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही चेयरमैन ने एक अन्य पत्र में नगर के विभिन्न वार्डों में लगे विद्युत ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने कहा कि कई ट्रांसफार्मर घनी आबादी के बीच बिना सुरक्षा जाली के लगे हैं, जिससे आमजन और पशुओं के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ऐसे में ट्रांसफार्मरों के चारों ओर जाली लगाकर उन्हें सुरक्षित करना आवश्यक है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने विद्युत विभाग से जनहित में त्वरित कार्रवाई करते हुए केबल बॉक्स की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि नगरवासियों को निर्बाध और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति मिल सके।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

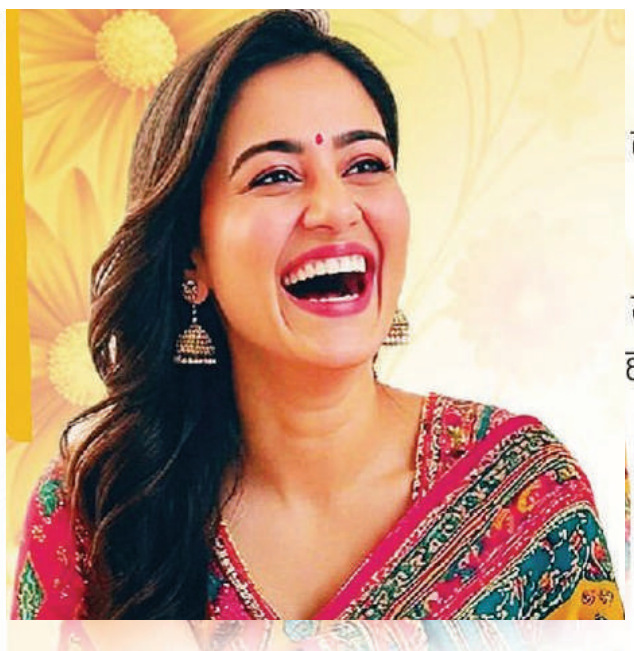

क्या आप हमेशा अपने काम में डूबी रहती हैं-काम.. काम.. बस काम। हंसी-ठिठोली से दूर, चेहरे पर जरा-सी भी मुस्कान नहीं। एक असहज जीवन, बोझिल-सा मन। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। हंसिए जरूर। हंसी मन को संभालती है, तनावमुक्त रखती है, एक सुकून देती है। हंसी हमें सहज-सरल बनाती है। इतना ही नहीं, हंसी रिश्तों को भी जोड़ कर रखती है। हंसी हमें प्रफुल्लित रख जीवन को जीवंत बनाती है।

हंसो-हंसाओ बने रहो जीवंत

कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़े रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। यही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बूढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार औरतें बैठीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कब स्वयं भी हंसी का फव्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

हंसी रिश्तों में घोलती थी मिठास

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होतीं-एक ही पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूंज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूं ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार औरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

महसूस होता है एक सुकून

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडॉर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक

आज मनुष्य पहले से अधिक सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथसाथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें यही याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकी सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि यह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

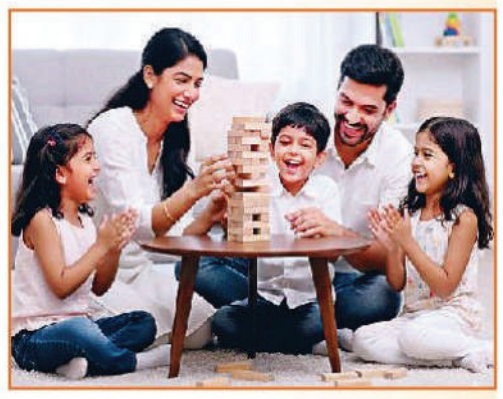

साल भर बाद आने वाली छुट्टियों यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गाइडलाइंस को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक ईयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

समझें समर क्लास की उपयोगिता: गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या स्किल्स निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन स्किल्स के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोर्चे पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा कैनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही कोर्स: सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान का भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोर्चे पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

घर में भी रचनात्मक गतिविधियां: समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना कमरा साफ रखने और चीजों को सही जगह पर जांचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गेम्स खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

एडवाइस

ललिता गोयल

वर्किंग वूमेन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजेस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हैंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

वर्कप्लेस चैलेंजेस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमेन ऐसे करें फेस

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलीग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सैलरी न मिलना, पर्सनल सेफ्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लीयर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हैंडल?

मल्टीटास्किंग से बचें: एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो फ्लेग्जिबल वर्किंग ऑवर या वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन चुनें। कुलीग्स के साथ हेल्दी रिलेशन बनाएं।

जेंडर भेदभाव: कई बार वर्कप्लेसेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसंट्रेट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लास सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद उनको प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बात रखें।

वर्कप्लेस सेफ्टी: ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमेन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरेसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी कंपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें।

वर्क प्रेशर: ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद ना रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें।

सीमाएं निर्धारित करें: ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती है तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा।

(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

मन को ऐसे रखें रिलैक्स

आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसाइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योगा या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

थेरेपी

डॉ. गौरव गुप्ता
सीनियर साइकियट्रिस्ट-सीईओ
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

प्रेगनेंट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में।

लाफ्टर थेरेपी क्या है: लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैप्पी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है।

लाफ्टर थेरेपी के फायदे: तनाव और चिंता में कमी गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है।

नींद में सुधार: हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्टर: लाफ्टर थेरेपी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

हार्मोनल बैलेंस में मदद: हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं।

डिलीवरी के लिए तैयारी: हंसने से फेफड़े और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

शिशु पर सकारात्मक असर: मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का असर शिशु के विकास पर भी बहुत सकारात्मक रूप से पड़ता है।

कैसे करें लाफ्टर थेरेपी: रोजाना सुबह 10-15 मिनट हंसने की आदत डालें। लाफ्टर योगा या ग्रुप एक्टिविटीज का हिस्सा बनें। कॉमेडी फिल्में या हल्के-फुल्के टीवी शो देखें। परिवार और दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में वक्त बिताएं।

प्रस्तुति: निकिता चौहान

तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान दवारहित और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाना चाहिए।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपकी त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल स्प्रे: एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोतल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल होना आम समस्या है। इससे निपटने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर लगा लें और इसे प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे ठंडे पानी से धो डालें।

डार्क सर्कल: गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं।

फेस पैक: पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।